INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
# यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-48 | मथुरा, मंगलवार, 14 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

### डीएसी नंबर लागू होने से बदले सिलेंडर वितरण के नियम

# बिना कनेक्शन नहीं मिलेगा सिलेंडर

## छोटे सिलेंडर पर भी सख्ती, महीने में दो सिलेंडर ही मिलेंगे

## व्यावसायिक उपभोक्ताओं पर नियमों का असर

**यूनिक समय, मथुरा।** उत्तर प्रदेश में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए नए नियम लागू कर दिए गए हैं। गैस कंपनियों ने अब सिलेंडर बुकिंग में डिजिटल ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) को 100 फीसद अनिवार्य कर दिया है। यानी अब बिना डीएसी नंबर के किसी भी उपभोक्ता को सिलेंडर की डिलीवरी नहीं दी जाएगी। इस फैसले से जहां कालाबाजारी पर अंकुश लगेगा, वहीं बिना कनेक्शन के जुगाड़ से सिलेंडर लेने वालों के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं।

नए नियम के तहत उपभोक्ता को सिलेंडर बुकिंग के बाद रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर डीएसी प्राप्त होगा। डिलीवरी के समय इस कोड का सत्यापन जरूरी होगा। अगर डीएसी नहीं है तो बुकिंग के बावजूद सिलेंडर नहीं मिलेगा। इससे गैस वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और फर्जी बुकिंग पर लगाम लगेगी।

गैस की किल्लत के बीच यह व्यवस्था धीरे-धीरे लागू की गई और अब इसे पूरी तरह अनिवार्य कर दिया गया है।

इससे उन लोगों को परेशानी हो रही है, जो बिना वैध कनेक्शन के सिलेंडर लेकर काम चला रहे थे या जिनकी बुकिंग हिस्ट्री नियमित नहीं है। खासकर वे लोग जो एक शहर से दूसरे शहर चले गए लेकिन कनेक्शन ट्रांसफर नहीं कराया, उन्हें भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

व्यावसायिक क्षेत्र में भी इसका असर दिख रहा है। कई छोटे दुकानदारों के पास जीएसटी रजिस्ट्रेशन नहीं होने के कारण वे कॉमर्शियल कनेक्शन नहीं ले पा रहे हैं। ऐसे में वे घरेलू सिलेंडर पर निर्भर थे, लेकिन अब नए नियमों ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

इसके अलावा पांच किलो के छोटू सिलेंडर की उपलब्धता भी सीमित कर दी गई है। अब यह सिलेंडर मुख्य रूप से प्रवासी मजदूरों और छात्रों को ही दिया जा रहा है और एक महीने में अधिकतम दो सिलेंडर ही मिलेंगे।

ऑल इंडिया एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन के अनुसार, छोटे से लेकर बड़े सभी सिलेंडरों पर डीएसी अनिवार्य कर दिया गया है।

सरकार का मानना है कि इस सख्ती से गैस वितरण व्यवस्था में सुधार होगा और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा।

### भीषण गर्मी और सिस्टम की मार

# सिर पर सिलेंडर, तीन किमी पैदल और फिर भी खाली हाथ

**यूनिक समय, चौमुहां (मथुरा)।** जब पारा 37 डिग्री सेल्यिस के पार हो और आसमान से आग बरस रही हो, तब घर की रसोई को चालू रखने के लिए महिलाएं किस हद तक संघर्ष कर रही हैं। इसकी एक बानगी मंगलवार को चौमुहां में देखने को मिली। महीने भर का इंतजार, फिर भी निराशा मिली ग्राम अकबरपुर निवासी पिंकी और उनकी साथ आई अन्य गृहणियों की दास्तां डिजिटल इंडिया के दौर में उज्ज्वला और सुलभ गैस वितरण के दावों पर सवालिया निशान लगाती है। गांव अकबरपुर की गृहणी पिंकी ने बताया कि उन्होंने एक महीने पहले सिलेंडर बुक कराया था, लेकिन बार-बार चक्कर लगाने और लंबा समय बीतने के बाद भी उनके घर तक सिलेंडर नहीं पहुंचा। मजबूरी ऐसी है कि खुद चलकर आना पड़ा। घर में चूल्हा नहीं जलेगा तो बच्चे क्या खाएंगे? लेकिन यहाँ आकर पता चला कि यहाँ भी सिलेंडर नहीं है।

तीन किमी का पैदल 'अग्निपथ' इन महिलाओं का सफर किसी चुनौती से कम नहीं था। गांव अकबरपुर से तरौली तक तो वे जैसे-तैसे वाहन से पहुंच गईं, लेकिन तरौली से नौगाँव स्थित गैस एजेंसी की दूरी लगभग तीन किलोमीटर है। भीषण धूप और तपती सड़क पर ये महिलाएं सिर पर भारी खाली सिलेंडर रखकर पैदल ही निकल पड़ीं। 37 डिग्री के आस पास तापमान में पैदल यात्रा। बोझ, सिर पर भारी गैस सिलेंडर। परिणाम, एजेंसी पहुंचने पर भी सिलेंडर उपलब्ध नहीं।

यह घटना केवल दो महिलाओं की परेशानी नहीं है, बल्कि उस वितरण प्रणाली की विफलता है जो उपभोक्ताओं को उनके

तेज धूप में सिर पर सिलेंडर रखकर लेकर जाती दो महिलाएं।

दरवाजे पर सुविधा देने का वादा करती है। बुकिंग के एक महीने बाद भी डिलीवरी क्यों नहीं हुई? क्या ग्रामीण क्षेत्रों में गैस एजेंसियों की मनमानी पर अंकुश लगाने वाला कोई नहीं है? भीषण गर्मी में महिलाओं को इस तरह पैदल चलने पर मजबूर होना क्या हमारी संवेदनशीलता को नहीं झकझोरता?

### जाम से निपटने के लिए पहल

# जिलों में गठित होगी सलाहकार समिति

## यातायात संचालन को लेकर देगी सुझाव

## सुझावों को अमल में लाया जाएगा

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, मथुरा/लखनऊ।** पुलिस मुख्यालय ने प्रदेश भर के शहरों में जाम की समस्या से निपटने के लिए हर जिले में एक सलाहकार समिति गठित करने का निर्णय लिया है। बताते हैं कि समिति में शामिल अधिकारी हर महीने समीक्षा करेंगे। और ट्रैफिक बेहतर करने के सुझाव देंगे। जिसके आधार पर संबंधित विभाग कार्य योजना बनाकर उसका क्रियान्वयन करेंगे।

इस संबंध में पुलिस मुख्यालय से सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। गौरतलब है कि मथुरा हो या लखनऊ, आगरा हो या अलीगढ़। हर शहर की प्रमुख समस्या जाम की है। तमाम कवायद होती रही हैं लेकिन पूरी तरह असरदार कुछ भी साबित नहीं हो सका है। इसलिए इस बार पुलिस महकमे ने बड़े स्तर पर तैयारी की है। विस्तृत कार्य योजना तैयार की है।

बड़े से लेकर छोटे शहरों में ई-रिक्शों का अव्यवस्थित संचालन जाम की बड़ी वजह है। पुलिस मुख्यालय ने इसको लेकर भी अहम निर्देश दिए हैं। इसके तहत अफसरों से कहा गया है कि शहर को जोन या सेक्टर वार बांटें। जोन के हिसाब से ई-रिक्शा संचालन सुनिश्चित करें। प्रत्येक जोन की अलग कलर कोडिंग होनी चाहिए। इससे ई-रिक्शा तय जोन के तय रूट पर ही चलेंगे। साथ ही ये भी कहा गया है कि कोई भी ई-रिक्शा बिना पंजीकरण के नहीं चलेगा।

आध्यात्मिक स्थल के लिए कहा गया है कि वहां आने वाली टूरिस्ट बसें व अन्य वाहनों को शहर से बार ही पार्क किया जाए। वहां से पर्यटकों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट के जरिये स्थलों तक ले जाया जाए। इससे शहर के भीतर यातायात का दबाव कम होगा।

सलाहकार समिति में पुलिस, प्रशासन, परिवहन, शिक्षा, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम समेत अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी रहेंगे। समिति में शामिल अधिकारी इस बारे में मंथन करेंगे कि यातायात को बेहतर कैसे किया जा सकता है? यातायात का दबाव कैसे कम हो सकता है? जैसे सुझाव देने का काम इसी समिति का रहेगा। गरीब एकता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक महाजन एडवोकेट ने इस पहल का स्वागत किया। साथ ही सुझाव दिया है कि समिति ने लोकल लोगों को भी शामिल किया जाए, जिससे वह जाम की समस्या और लोकल स्तर पर समाधान को सुझाव दे सकें।

# आगरा में बड़ी साजिश नाकाम

## पुलिस और एलआईयू की सतर्कता से 'नोएडा जैसा माहौल' बनने से पहले हुई गिरफ्तारी

**यूनिक समय, आगरा।** सिकंदरा थाना क्षेत्र में पुलिस और लोकल इंटेलिजेंस यूनिट की सतर्कता से एक बड़ी साजिश समय रहते विफल कर दी गई। पुलिस ने ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो भोले-भाले गरीब मजदूरों को बहला-फुसलाकर उन्हें भड़काने और धरने-प्रदर्शन के लिए उकसाने का काम कर रहा था।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमित चौधरी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, अमित चौधरी मजदूर वर्ग के लोगों को गुमराह कर फैक्ट्री मालिकों के खिलाफ भड़काता था और उन्हें फैक्ट्री बंद कराने के लिए दबाव बनाने को प्रेरित कर रहा था। इससे क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बनने की आशंका थी, जो समय रहते पुलिस की सक्रियता से टल गया। सूचना मिलते ही पुलिस और एलआईयू टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पर पहले से भी कई मुकदमा दर्ज हैं और वह पहले भी इस तरह की गतिविधियों में शामिल रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की जाती तो स्थिति बिगड़ सकती थी और क्षेत्र में अशांति फैल सकती थी। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय लोगों में राहत और खुशी का माहौल है।

**आक्रोश**

### वृंदावन की घटना ने झकझोरा दिल

# हवालात में मासूमों की रात,इंसाफ पर उठे सवाल

## कथावाचक और श्रद्धालुओं की कार टकराने के मामले ने पकड़ा तूल

## हादसे के बाद मासूम बच्चों को हवालात में बितानी पड़ी रात

## बिलखती मां की गुहार ने लोगों को किया भावुक

**यूनिक समय, मथुरा।** वृंदावन की पावन और आध्यात्मिक भूमि जो प्रेम, भक्ति और मानवता के लिए जानी जाती है, वहां एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने लोगों के दिलों को झकझोर कर रख दिया है। कथा वाचक मृदुलकांत शास्त्री की गाड़ी के सड़क हादसे के बाद जो परिस्थितियां बनीं, उन्होंने इंसानियत और व्यवस्था दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सूत्रों के अनुसार, हादसे के बाद कुछ मासूम बच्चों को पुलिस कार्रवाई के दौरान हवालात में रात बितानी पड़ी। बताया जा रहा है कि ये बच्चे किसी तरह की गलत मंशा से नहीं, बल्कि घटनाक्रम के बीच फंस गए थे। इस दौरान एक मां का दर्द सोशल मीडिया

पर वायरल वीडियो के रूप में सामने आया है, जिसमें वह बिलख-बिलख कर अपने बच्चों की बेगुनाही की गुहार लगाती दिख रही है। उस महिला की आंखों से बहते आंसू और कांपती आवाज हर देखने वाले को भावुक कर रही है। वह बार-बार यही सवाल कर रही है कि आखिर इन मासूम बच्चों की क्या गलती थी, जिन्हें इस तरह की कठिन परिस्थिति का सामना करना पड़ा। घटना के बाद यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर फैल गया है और लोग अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई लोग इसे व्यवस्था की चूक बता रहे हैं तो कुछ लोग मामले की पूरी जांच की मांग कर रहे हैं। वहीं आम जनता में इस बात को लेकर गहरी नाराजगी और संवेदना दोनों देखने को मिल रही हैं।

वृंदावन जैसे धार्मिक और शांत क्षेत्र में इस तरह की घटना ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या कहीं न कहीं प्रक्रिया में संवेदनशीलता की कमी रह गई। फिलहाल, यह मामला सोशल मीडिया से लेकर स्थानीय स्तर तक चर्चा का केंद्र बना हुआ है और लोग न्याय व सच्चाई की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

# पांच दिन बाद भी नहीं मिला पंकज का शव

## रेस्क्यू टीम लगातार तलाश में जुटी है

**यूनिक समय, मथुरा।** वृंदावन में मोटर बोट हादसे को आज पांचवा दिन है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम सहित 150 से अधिक लोग लापता हुए हिमाचल के रहने वाले श्रद्धालु पंकज मल्होत्रा के शव की खोज में लगे रहे। टीमें पहले शवों को घटना स्थल से 20 किलो मीटर की रेंज में तलाश कर रही थी, लेकिन अब उन्होंने खोजबीन का दायरा अब 25 किलो मीटर कर दिया है। इसके बाद भी मंगलवार की देर शाम तक यमुना में डूबे युवक पंकज मल्होत्रा का शव बरामद नहीं हो सका था।

### यमुना एक्सप्रेस वे पर वाहन चलाने वाले हो जाएं सावधान

# भीषण गर्मी में टायर फटने से बढेंगे हादसे

कार्यालय संवाददाता

**यूनिक समय, मथुरा।** गर्मी का मौसम आते ही यमुना एक्सप्रेस वे पर अकसर वाहनों के टायर फटने का सिलसिला शुरू हो जाता है। टायर फटने के कारण बड़ी दुर्घटनाएं तक हो जाती हैं। इस तरह की दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए वाहन चलाने वालों से प्रशासन ने सावधानियां बरतने को कहा है, जिससे कि समय रहते जन-धन हानि को रोका जा सके।

यमुना एक्सप्रेस वे पर गर्मियों में सड़क का तापमान काफी अधिक हो जाता है। इसके साथ-साथ सड़क पर टायरों के होने वाले घर्षण से टायरों के फटने जैसी अकसर घटना होती है।

टायर फटने से तेज रफ्तार वाहन या तो सड़क पर गुजरते किसी अन्य वाहन से टकरा जाता है अथवा सड़क किनारे बने डिवाइडर से टकरा कर पलट जाता है। दोनों ही स्थिति में वाहन तो क्षतिग्रस्त होता ही है वहीं वाहन में सवार लोगों की जान भी खतरे में पड़ जाती है। एक्सप्रेस वे पर भीषण गर्मी के दौरान वाहनों के टायर फटने की घटनाओं को रोकने के लिए यमुना एक्सप्रेस वे के अधिकारियों ने वाहन चलाने वालों को कुछ इस तरह की सलाह दी है।

### एक्सप्रेस वे अथॉर्टी और एआरटीओ ने बताईं सावधानियां

### थोड़ी सी सावधानी बचा सकती है जन धन की बड़ी हानि

गर्मी में एक्सप्रेस वे पर चलने वाले वाहनों की फिटनेस ठीक प्रकार से कराकर ही वाहनों को चलाया जाए। इसके साथ ही वाहनों के टायरों को चेक कर लिया जाए कि टायरों की स्थिति ठीक है अथवा नहीं। इसके साथ ही टायरों में भरी जाने वाली हवा के प्रेशर को भी मानकों के अनुकूल रखना चाहिए। टायर में क्षमता से अधिक हवा नहीं होनी चाहिए। इंजन को गर्म होने से बचाने के लिए कूलेंड का प्रयोग किया जाना चाहिए।

इस बारे में एआरटीओ राजेश राजपूत का कहना है कि यमुना एक्सप्रेस वे पर वाहनों के टायर फटने की अकसर घटनाएं होती हैं। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए वाहन चलाने वालों को अपने वाहनों की समय से फिटनेस करा लेनी चाहिए इसके बाद एक्सप्रेस वे पर वाहन को चलाना चाहिए। इसके साथ ही एक्सप्रेस वे पर वाहनों को अधिक रफ्तार से नहीं चलाना चाहिए। इससे होने वाली दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

**तापमान / मौसम**

26 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

16 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

**सोना-चांदी भाव**

**सोना**
24 कैरेट 1,53,980
22 कैरेट 1,41,661
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

**चांदी**
2,52,770 प्रति किलो

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

### वृंदावन के मंदिरों में अक्षय तृतीया की तैयारियां तेज

# चंदन श्रृंगार में दिखेंगे ठाकुरजी

### राधा दामोदर मंदिर में चंदन श्रृंगार के लिए तैयार हो रहा चंदन का लेप

### राधा दामोदर लाल चंदन श्रृंगार कर भक्तों को देंगे सर्वांग दर्शन

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, वृंदावन।** सप्त देवालयों में से प्रमुख ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में अक्षय तृतीया पर्व को लेकर तैयारियां जोर शोर पर चल रही है। बताते चलें कि श्रीकृष्ण की क्रीड़ास्थली वृंदावन में अक्षय तृतीया पर ठाकुर जी को चंदन का लेप लगाकर गर्मी से राहत प्रदान की जाती है। इसमें ठाकुर जी चंदन श्रृंगार कर अपने भक्तों को सर्वांग दर्शन देते हैं। इसी क्रम में राधा दामोदर मंदिर के सेवायतों द्वारा चंदन सेवा का कार्य होली के बाद से प्रारंभ हो गया। इसमें दक्षिण से आए चंदन को नित्य प्रतिदिन मंदिर में घिसकर लेप तैयार किया जा रहा है। मंदिर के सेवायत आचार्य कृष्ण बलराम गोस्वामी महाराज ने बताया कि चंदन श्रृंगार की यह परंपरा करीब पांच सौ वर्ष पुरानी है। मंदिर के सेवायत आचार्य पूर्ण चंद्र गोस्वामी महाराज ने बताया कि उच्च कोटि का चंदन मंगवाया गया है। जिसको नित्य प्रतिदिन घिसकर लेप तैयार कर रहे हैं। इस लेप में नाना प्रकार की जड़ी बूटियों का मिश्रण कर अक्षय तृतीया के पर ठाकुर जी का चंदन श्रृंगार दर्शन किया जाएगा। जिसमें ठाकुर जी अपने भक्तों को सर्वांग दर्शन देंगे। उस दिन ठाकुर जी को कोई भी वस्त्र धारण नहीं कराए जाते हैं। सेवायत करण गोस्वामी ने बताया कि ठाकुर राधा दामोदर लाल के सर्वांग दर्शन करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

अक्षय तृतीया पर ठाकुर राधादामोदर महाराज का चंदन से श्रृंगार करने के लिए चंदन घिसते मंदिर के सेवायत।

# सौजन्या सूद का आईआईएम में चयन

### कैट 2025 में 99.84 परसेंटाइल हासिल

**यूनिक समय, मथुरा।** वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संजय सूद एवं डॉ. मीना सूद की सुपुत्री सौजन्या सूद ने देश की शीर्ष प्रबंधन संस्था भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में चयन होकर अपने परिवार और मथुरा का नाम रोशन किया है। उन्होंने कैट 2025 परीक्षा में 99.84 परसेंटाइल प्राप्त कर शानदार उपलब्धि हासिल की है। सौजन्या सूद दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) की 2024 बैच की इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) छात्रा रही हैं। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद इनका चयन आईआईएम अहमदाबाद में हुआ है, जो देश के सबसे प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थानों में से एक माना जाता है। सौजन्या ने सफलता का श्रेय अपनी कड़ी मेहनत, ईमानदारी से किए गए अध्ययन और अपने माता-पिता के सहयोग को दिया है। उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास, सही रणनीति और आत्मविश्वास ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गौरतलब है कि आईआईएम में प्रवेश अत्यंत कठिन प्रक्रिया होती है, जिसमें सीएटी परीक्षा के बाद इंटरव्यू और अन्य चयन चरणों से गुजरना पड़ता है। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) देश के प्रमुख मैनेजमेंट संस्थान हैं, जो एमबीए, पीजीपी और फेलोशिप जैसे उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। आईआईएम अहमदाबाद, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे संस्थान विश्व स्तर पर भी अपनी गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध हैं।

वहीं आईएमए अध्यक्ष डॉ. ब्रिजेन्द्र तिवारी, सचिव डॉ. गौरव भारद्वाज, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एसके वर्मन, डॉ. मुकेश जैन सहित अन्य चिकित्सकों ने चिकित्सक परिवार एवं उनकी पुत्री सौजन्या को बधाई दी है।

# कोर्ट ने अभियुक्त के धारा 84 के नोटिस जारी किए

**यूनिक समय, चौमुहां।** थाना जैंत से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे एक अभियुक्त को पुलिस काफी प्रायस के बाद भी गिरफ्तार नहीं कर सकी है। इस मामले में अभियुक्त के खिलाफ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने धारा 84 बीएनएस के तहत नाटिस जारी किए हैं। थाना जैंत में दर्ज एक दुष्कर्म के मामले में अभियुक्त लक्ष्मीनारायण उर्फ गोलो निवासी आझई के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 75, 79, 352, 351(3) और 64 के तहत मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने अभियुक्त लक्ष्मी नारायण उर्फ गोलू को गिरफ्तार करने के लिए लगातार उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी। इसके बाद भी वह पुलिस की गिरफ्त में नहीं आ सका, उसने कोर्ट में भी आत्मसमर्पण नहीं किया। पुलिस की गिरफ्त में न आने पर विवेचक उप-निरीक्षक मनोज कुमार ने पूर्व सीजेएम न्यायालय से अभियुक्त के गैर-जमानती वारंट जारी कराए। इसके बाद भी वह पुलिस की पकड़ से दूर रहा। इस पर न्यायालय ने पुलिस की अर्जी स्वीकार करते हुए उसके खिलाफ 12 मई 2026 तक आरोपी को न्यायालय में उपस्थित होने के लिए समय देते हुए धारा 84 के नोटिस जारी किया। आईओ ने कोर्ट द्वारा जारी नोटिस को अभियुक्त के घर पहुंचकर चस्पा कर दिया। इसके बाद भी अभियुक्त कोर्ट में हाजिर नहीं होता है तो उसके खिलाफ उसकी संपत्ति को धारा 85 के तहत कुर्क करने की कार्रवाई की जाएगी।

### पुलिस ने अभियुक्त के घर पर चस्पा किए नोटिस

### 12 मई तक कोर्ट में हाजिर होने का दिया समय

# शिक्षिका व साहित्यकार यशोधरा को किया सम्मानित

**यूनिक समय, आगरा।** शैक्षिक संवाद मंच के तत्वावधान में लखनऊ के चारबाग स्थित एक होटल में आयोजित शैक्षिक समारोह में आगरा की संविलियन उच्च प्राथमिक विद्यालय सुरहरा, एत्मादपुर की शिक्षिका एवं साहित्यकार डॉ. यशोधरा यादव 'यशो' को "राष्ट्रीय बाल शिक्षा शिखर सम्मान" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, नवाचारपूर्ण शिक्षण पद्धतियों और बाल शिक्षा के प्रति समर्पण के लिए प्रदान किया गया। इसी क्रम में आगरा जिले के ग्राम बरौली अहीर स्थित प्राथमिक विद्यालय रजराई की शिक्षिका राजश्री यादव को भी उनके सराहनीय शैक्षिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सचिवालय के विशेष सचिव राम नगीना मौर्य, विशिष्ट अतिथि एससीईआरटी प्रकाशन विभाग के सहायक संपादक शिवमोहन यादव तथा हिमालय लोक संग्रहालय एवं शोध संस्थान, देहरादून के संस्थापक डॉ. सुरेंद्र कुमार आर्यन उपस्थित थे। मंच के संस्थापक प्रमोद दीक्षित 'मलय', संयोजक दुर्गश्वर राय सहित अन्य मौजूद थे।

**बदलाव**

### मस्क की सोच का 'एल्गोरिदम'

# असंभव लक्ष्य से बदलती है सफलता की दिशा

**यूनिक समय, मथुरा।** दुनिया के मशहूर उद्यमी एलन मस्क की कार्यशैली और सोच को समझने की कोशिश हमेशा लोगों के लिए दिलचस्प रही है। अब जॉन मैक्नील की किताब 'द एल्गोरिदम' में मस्क के काम करने के अनोखे तरीकों और उनसे जुड़े बड़े सबक सामने आए हैं, जो बिजनेस ही नहीं बल्कि जीवन में भी नई दिशा दे सकते हैं। मस्क की सोच पारंपरिक दायरे से अलग है। जहां आम लोग नियमों और तय प्रक्रियाओं के अनुसार काम करते हैं, वहीं मस्क 'अतार्किक' तरीके से सोचने को प्रोत्साहित करते हैं। उनका मानना है कि प्रगति उन्हीं लोगों से होती है, जो दुनिया को जैसा है वैसा स्वीकार करने के बजाय उसे बदलने का साहस रखते हैं। उदाहरण के तौर पर, टेस्ला की ऑनलाइन बिक्री बढ़ाने के लिए उन्होंने टीम को 64 स्टेप की प्रक्रिया को घटाकर सिर्फ 10 क्लिक तक लाने का लक्ष्य दिया। यह लक्ष्य भले ही असंभव लगे, लेकिन इसी सोच ने काम करने का तरीका बदल दिया।



### हर नियम पर सवाल उठाने की सोच बनाती है नया रास्ता

### 'डिलीट' का सिद्धांतः सुधार नहीं, बेकार प्रक्रियाओं को हटाना जरूरी

किताब के अनुसार, मस्क का पहला सिद्धांत है-हर चीज पर सवाल उठाना। चाहे कोई नियम कितना भी पुराना या किसी विशेषज्ञ द्वारा बनाया गया हो, उसकी उपयोगिता पर सवाल करना जरूरी है। उनका मानना है कि कई बार नियम खुद विकास की गति को धीमा कर देते हैं। मस्क का एक और बड़ा मंत्र है-सुधार नहीं, बल्कि 'डिलीट' करना। वे मानते हैं कि अगर कोई प्रक्रिया या हिस्सा बार-बार समस्या पैदा कर रहा है, तो उसे बेहतर बनाने के बजाय हटाने के बारे में सोचना चाहिए। इससे समय और संसाधनों की बचत होती है।

इसके अलावा, मस्क टीम को असंभव लगने वाले लक्ष्य देकर उनकी सोच को पूरी तरह बदल देते हैं। जब लक्ष्य बहुत बड़ा होता है, तो पारंपरिक तरीके काम नहीं आते और नवाचार की जरूरत पड़ती है। किताब में एक अहम संदेश यह भी है कि सबसे महंगी गलती गलत काम करना नहीं, बल्कि सही काम को जरूरत खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक करते रहना है। यही सोच आज के समय में सफलता का नया फॉर्मूला बनती जा रही है।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
**कार्यालयः-** यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
**फोन नंबर-0565-2420150,**
**मो. 9837155888**
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

# खेतों में 'अग्नि तांडव' : आग से 50 बीघा भूसा जलकर राख

**यूनिक समय, मथुरा।** गर्मी की शुरुआत के साथ ही किसानों की परेशानियां बढ़ने लगी हैं। मंगलवार को चौमुंहा ब्लॉक के बिलोडा और औंधुता गांव के खेतों में अचानक लगी भीषण आग ने भारी तबाही मचा दी। आग की चपेट में आकर करीब 50 बीघा गेहूं का भूसा जलकर राख हो गया, जिससे किसानों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। किसानों के अनुसार, आज खेतों से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया, जो देखते ही देखते भीषण आग में बदल गया। तेज हवा के चलते आग फैलती चली गई और आसपास के खेत भी इसकी जद में आने लगे। घटना की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर डॉयल 112 पुलिस और चौकी सेही प्रभारी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने भी तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास किया। काड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि आग इतनी तेज थी कि कुछ समझ नहीं आ रहा था। हमने शोर मचाकर लोगों को बुलाया और मिलकर आग बुझाई, नहीं तो और ज्यादा नुकसान हो सकता था। इस अग्निकांड में कई छोटे और मंझोले किसानों का बड़ा नुकसान हुआ है। करीब 50 बीघा खेतों में रखा भूसा पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया है। यह भूसा पशुओं के चारे के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है, जिससे किसानों की चिंता और बढ़ गई है। घटना के बाद पीड़ित किसानों के चेहरे पर मायूसी छा गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द नुकसान का सर्वे कराया जाए और उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि प्रभावित किसान आर्थिक संकट से उबर सकें। चौकी प्रभारी सूरज तेवतिया ने बताया कि पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, हालांकि प्रारंभिक तौर पर तेज गर्मी या शॉर्ट सर्किट को संभावित कारण माना जा रहा है।

चौमुहां के गांव विडोला और औधुता में खेत में आग लगने से जला भूसा।

## किसानों को लाखों का नुकसान

## चौमुंहा क्षेत्र के बिलोडा और औंधुता गांव में भीषण आग, जांच में जुटा प्रशासन

# शादी के एक महीने बाद ही सड़क हादसे में युवक की मौत

संवाददाता

**यूनिक समय, आगरा।** थाना डौकी क्षेत्र के बरौली अहीर में मंगलवार की सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक की शादी महज एक माह पहले ही हुई थी, जिससे परिवार में मातम पसर गया है। घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने चौराहे पर जाम लगा दिया, जिसे पुलिस ने समझा-बुझाकर खुलवाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार झील जाटव मौजा तनौरा नूरपुर निवासी सौरभ पुत्र सुभाष सिंह मंगलवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे बाइक से विल्हनी से अपने घर लौट रहा था। जैसे ही वह चौराहे के पास पहुंचा, सामने से आ रहे एक लोडिंग टेंपो ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सौरभ गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों और पुलिस की मदद से घायल युवक को तत्काल अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद टेंपो चालक वाहन छोड़कर मौके से भाग गया। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने चौराहे पर जाम लगा दिया और चौकी का घेराव किया। सूचना मिलते ही थाना डौकी और बमरौली कटरा पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद जाम खुलवाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार टेंपो चालक की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि सौरभ की शादी 10 मार्च को ही हुई थी। शादी के महज एक महीने बाद ही उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है और परिजनों का दुःख देखकर हर किसी की आंखें नम हो रही हैं।

## गुस्साए लोगों ने लगाया जाम

# अग्निशमन सेवा दिवस पर शहीदों को किया नमन

**यूनिक समय, मथुरा।** उप्र अग्निशमन तथा आपात सेवा द्वारा मंगलवार को राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वर्ष 1944 में मुंबई के विक्टोरिया बंदरगाह पर अग्निशमन के दौरान शहीद हुए 66 अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही जनजागरूकता रैली निकालकर लोगों को अग्नि सुरक्षा के प्रति सचेत किया गया। जनपद के सभी फायर स्टेशनों पर प्रातः आठ बजे स्मृति दिवस परेड का आयोजन किया गया, जिसमें शहीद अग्निशमन कर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस के अवसर पर विभागीय अधिकारियों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पिन फ्लैग लगाकर सम्मानित किया। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने पुलिस लाइन से जनजागरूकता एवं जन जागरण रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जनपद में लोगों को जागरूक करने के लिए 14 से 20 अप्रैल तक अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत जनपद के विभिन्न स्कूलों और संस्थानों में निबंध, चित्रकला और व्याख्यान प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान लोगों को आग से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया जाएगा। रैली का उद्देश्य आम जनता को आग से बचाव के उपायों, सावधानियों और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी देना रहा। सीएफओ के आकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 में जनपद में कुल 912 अग्निकांडों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए लगभग 13,47,08,655 रुपये की संपत्ति को बचाया गया। इसके अलावा 146 रेस्क्यू कॉल पर कार्रवाई करते हुए 72 लोगों और 69 पशुओं की जान बचाई गई। उन्होंने बताया कि 14 से 20 अप्रैल तक अग्निशमन सेवा सप्ताह की तहत जनपद के विभिन्न स्कूलों और संस्थानों में निबंध, चित्रकला और व्याख्यान प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान लोगों को आग से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

वहीं अग्निशमन अधिकारी नरेश कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रमों के तहत पोस्टर, पंपलेट वितरण, व्याख्यान और अग्निशमन उपकरणों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इस अवसर पर अग्निशमन अधिकारी नरेश कुमार सिंह, विनोद कुमार शर्मा, विक्रम सिंह सहित अन्य फायर सर्विस कर्मी उपस्थित रहे।

अग्निशमन सेवा दिवस पर जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार।

## जागरूकता रैली से दिया सुरक्षा का संदेश

## 2025 में 912 अग्निकांडों पर काबू पाकर 13 करोड़ से अधिक की संपत्ति बचाई

## 141 लोगों और पशुओं की जान बचाई

## भाजपा होलीगेट मंडल ने मनाई बाबा साहेब की जयंती

**यूनिक समय, मथुरा।** भारतीय जनता पार्टी महानगर होलीगेट मंडल अध्यक्ष लोकेश तायल के नेतृत्व में चिड़ीमार टीला स्थित आंबेडकर पार्क में संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई। बाल कल्याण आयोग के पूर्व अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार शर्मा एवं महानगर अध्यक्ष राजू यादव मंडल अध्यक्ष लोकेश तायल ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर व माल्यार्पण कर भावांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर महानगर उपाध्यक्ष संजय शर्मा, पूर्व महानगर उपाध्यक्ष योगेश आवा, मंडल महामंत्री कृष्ण मणि सूबेदार, नितिन चतुर्वेदी और मीडिया प्रभारी बृजवासी लाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

# वृंदावन के दावानल कुंड में युवक डूबा

**यूनिक समय, मथुरा।** वृंदावन के दावानल कुंड में स्नान करने के दौरान पैर फिसलने के कारण एक युवक की कुंड के गहरे पानी में डूबकर मौत हो गई। बहन के अनुरोध पर पुलिस ने शव परिवार को सौंप दिया है।

बताया गया है कि लखनऊ निवासी रितेश का पत्नी से तलाक होने के बाद उसने वृंदावन में आकर रहना शुरू कर दिया। वह दावानल कुंड के समीप तीन साल से आदेश शर्मा के मकान में किराए पर रहा था। रितेश फोगला आश्रम के समीप खोखा में चाय की दुकान चलाने लगा। लखनऊसे दो दिन पूर्व उसकी बहिन भाई से मिलने के लिए वृंदावन आई हुई थी। बताया गया है कि वह मंगलवार को घर से दावानल कुंड में स्नान करने के लिए गया थ। स्नान करने के दौरान वहां उसका पैर फिसल गया और वह कुंड के गहरे पानी में जाकर डूबने लगा। लोगों ने उसे डूबते देख कर शोर किया और बचाने के लिए पहुंचे, लेकिन उस समय तक वह डूब चुका था। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों के मध्यम से रितेश के शव को कुंड से बाहर निकलवाया। भाई से मिलने के लिए आई बहन को जब इस बात का पता लगा तो वे बेसुध हो गई। बहन ने पुलिस से शव का पोस्टमार्टम न कराने का अनुरोध किया। पुलिस ने बहन के अनुरोध पर पंचनामा करने के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए दे दिया। भाई की मौत से दुखी बहन ने इस बारे में लखनऊरहने वाले अपने परिवार को सूचना दी।

## लखनऊ से आकर चाय की दुकान चला रहा था

# डॉ. आंबेडकर के विचार युवा पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक

राया–हाथरस मार्ग स्थित आम्बेडकर पार्क में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में विधायक राजेश चौधरी के साथ अन्य भाजपाई।

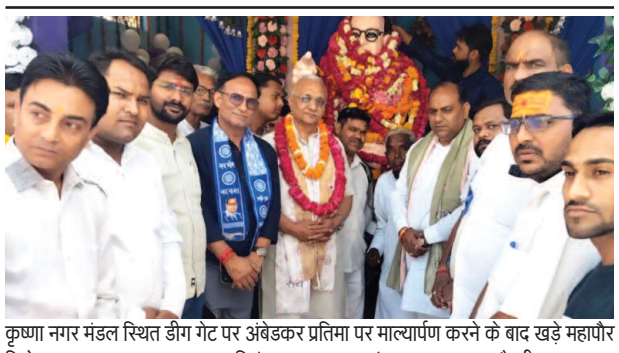
कृष्णा नगर मंडल स्थित डीग गेट पर अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद खड़े महापौर विनोद अग्रवाल, महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, मंडल अध्यक्ष राजू चौधरी।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते भाजपा के जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय के साथ पदाधिकारी।

डॉ. बीआर आंबेडकर के चित्रपट पर माल्यार्पण करते सपा के पदाधिकारी।

## बाबा साहेब की प्रतिमा पर विश्व हिंदू परिषद ने पुष्पांजलि अर्पित की

डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते विश्व हिंदू परिषद जिला मथुरा कार्यकारिणी के पदाधिकारी।

**यूनिक समय, मथुरा।** संविधान के शिल्पकार एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद जिला मथुरा की कार्यकारिणी द्वारा माल्यार्पण और पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ब्रज प्रांत अध्यक्ष कन्हैयालाल अग्रवाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान सभी पदाधिकारियों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर ब्रज प्रांत अध्यक्ष कन्हैयालाल अग्रवाल, विभाग संगठन मंत्री उमाकांत, जिला संगठन मंत्री विमल, जिला अध्यक्ष गोकुलेश गौतम, जिला मंत्री डॉ. नितिन चौधरी, प्रखंड मंत्री आशीष शर्मा, सह–कोषाध्यक्ष अतुल शोरा तथा डॉ. राघव शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करने और समाज में समानता व एकता बनाए रखने का संकल्प लिया।

बाबा साहेब की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाएं और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करें। कृष्णा नगर मंडल स्थित डीग गेट पर आंबेडकर प्रतिमा पर महापौर विनोद अग्रवाल, महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, मंडल अध्यक्ष राजू चौधरी, संत कुमार शर्मा, दीपक गोला, पवन लोधी, हेमंत खंदौली, श्याम शर्मा, धनंजय लोधी एवं बृजेश अहेरिया ने माल्यार्पण किया।

महापौर विनोद अग्रवाल ने कहा कि बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से समाज के हर वर्ग को समान अधिकार दिलाए और सामाजिक न्याय की ऐसी नींव रखी, जिसने देश को नई दिशा दी।शाहगंज दरवाजा आंबेडकर पार्क में बाल संरक्षण आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र शर्मा, मंडल अध्यक्ष लोकेश तायल, उपाध्यक्ष संजय शर्मा, हेमंत खंदौली, योगेश आवा, कृष्णमणि सूबेदार, नितिन चतुर्वेदी, ललित अग्रवाल, वकील साहब, राधारमण, उत्तम सिंह टीटू, आनंद, अंकित काजू एवं नरेंद्र गोला सहित पार्षद हनुमान गुर्जर आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम बाबा साहेब की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने की सार्थक पहल है। उन्होंने बताया कि महानगर होली गेट मंडल, कृष्णा नगर मंडल, सदर मंडल, धोली प्याऊ मंडल, मधुवन मंडल सहित महानगर के 12 मंडलों में 27 स्थानों पर एक साथ आयोजित कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। वहीं राया में आंबेडकर समाज सुधार समिति के तत्वावधान में भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर का जन्मोत्सव मनाया गया। हाथरस मार्ग स्थित आंबेडकर पार्क में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में राजनैतिक पार्टियों के पदाधिकारी व समाजसेवियों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में मांट क्षेत्र के विधायक राजेश चौधरी ने कहा कि बाबा साहेब ने समाज में व्याप्त जाति भेद अन्याय के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। इस मौके पर चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन राकेश शर्मा, भूपेश अग्रवाल, अभिषेक पाराशर, जिला पंचायत सदस्य मुकेश चौधरी, आंबेडकर समाज सुधार समिति अध्यक्ष गुलाब चौधरी, लायक सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष रामकुमार उपाध्याय, समाजवादी पार्टी के सुभाष सैनी, कोमल सिंह चितोरिया, सभासद सरवन अहमद एवं सचिन अग्रवाल आदि मौजूद थे।

समाजवादी पार्टी ने भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई। डीग गेट स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके बाद टैकमैन सिटी में पुष्पांजलि सभा हुई। इस मौके पर अनिल अग्रवाल, प्रदेश सचिव जागेश्वर यादव, समाजवादी बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी, महानगर सचिव अभिषेक यादव, महानगर उपाध्यक्ष देवेन्द्र निषाद, रिषी अग्निहोत्री, पूर्व नगर अध्यक्ष रवि यादव, छात्र सभा के महानगर अध्यक्ष रानू यादव आदि उपस्थित थे। सर्वजन कल्याण समिति रजि. जनकरपुरी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर झाकियां निकाली। इस मौके पर भीष्म नारायण सिंह, तेजवीर सिंह, गोकुल चंद्र, सुरेश चौधरी, नीरज, ईश्वरी प्रसाद, सुखवीर सिंह आदि मौजूद थे।

## भाजपाईयों ने धूमधाम से मनाई बाबा साहेब की जयंती

प्रमुख संवाददाता

शोभायात्रा में झांकियों के साथ शामिल महिलाएं।

**यूनिक समय, मथुरा।** भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर भाजपा ने कई स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे के नेतृत्व में तीनों विधानसभा क्षेत्रों के 18 मंडलों एवं 1385 बूथों पर संविधान निर्माता, भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई।

कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब के जीवन दर्शन, उनके संघर्षों और संविधान निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान पर विस्तृत चर्चा की।

जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे ने कहा, "बाबा साहब ने जीवनभर वंचितों, शोषितों और महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उनका संपूर्ण जीवन हमें सामाजिक समरसता और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के निर्माण के लिए प्रेरित करता है। जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने बताया कि बाबा साहब केवल एक वर्ग के नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के प्रेरणापुंज हैं। उनके विचार युवा पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक हैं।

कोसीकलां में आयोजित मुख्य में अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष सतीश बाल्मीकि, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल, ब्लॉक प्रमुख नरदेव चौधरी, मंडल अध्यक्ष सौरभ जैन, जिला कोषाध्यक्ष हुकम अग्रवाल, जिला मंत्री ओमप्रकाश सैनी, दीपक बडगुर्जर, सतवीर सांगवान आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भारतीय जनता पार्टी महानगर ने मथुरा शहर के 27 स्थानों पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम हुए। होली गेट मंडल स्थित शाहगंज दरवाजा आंबेडकर पार्क में आयोजित कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे

# डीएम सीपी सिंह ने बाबा साहेब को पुष्पांजलि अर्पित कर किया याद

डीग गेट क्षेत्र में लगी भारत रत्न डॉ. बीआर आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद डीएम सीपी सिंह के साथ अन्य।

**यूनिक समय, मथुरा।** जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने डीग गेट क्षेत्रांतर्गत स्थित भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण अर्पित की। सामाजिक समरसता, समानता एवं कर्तव्यनिष्ठा की प्रतिमूर्ति, विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत देश के 'संविधान' रचयिता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उन्होंने कोटि–कोटि नमन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया।

# डॉ. आंबेडकर के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया

नगर निगम के भूतेश्वर जोन सभागार में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्रपट पर माल्यार्पण करते महापौर विनोद अग्रवाल एवं नगर आयुक्त जगप्रवेश।

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, मथुरा।** भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर नगर निगम मथुरा–वृंदावन के भूतेश्वर स्थित सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महापौर विनोद अग्रवाल, नगर आयुक्त जगप्रवेश, पार्षद तथा अधिकारियों ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

महापौर विनोद अग्रवाल ने डॉ. आंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला। कहा कि उनका जीवन संघर्ष, समता और न्याय का प्रतीक है।

### नगर निगम के भूतेश्वर जोन कार्यालय के सभागार में हुआ कार्यक्रम

वहीं नगर आयुक्त जग प्रवेश ने कहा कि डॉ. आंबेडकर के सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उनके आदर्शों पर चलकर ही समाज में समानता, शिक्षा और अधिकारों की स्थापना संभव है। पार्षदों ने भी बाबा साहेब के विचारों को जन–जन तक पहुंचाने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

# आंबेडकर जयंती पर छात्राओं ने बिखेरा प्रतिभा का रंग

आंबेडकर जयंती पर हनुमान प्रसाद धानुका सरस्वती बालिका विद्या मंदिर की छात्राएं प्रस्तुति देती हुई।

**यूनिक समय, वृंदावन।** हनुमान प्रसाद धानुका सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। विद्यालय की छात्राओं ने भाषण, कविता–पाठ एवं भूमिका निर्वाह प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अंबेडकर के जीवन चरित्र व शिक्षाओं को सभी छात्राओं को बता कर किया गया। छात्रा गौरी शर्मा, अनुप्रिया व आद्या ने उनके जीवन, संघर्ष एवं भारतीय संविधान निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला। आचार्या नीलम शर्मा ने बताया कि आंबेडकर ने समाज में समानता, शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया। प्रधानाचार्या सुश्री रजनी गुप्ता ने छात्राओं को आंबेडकर के आदर्शों को अपनाने तथा शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन को सफल बनाने की प्रेरणा दी। इस मौके पर विद्यालय प्रबंध समिति से पदम नाभ गोस्वामी, रेखा माहेश्वरी, विश्वनाथ गुप्ता, डॉ. उमेश शर्मा तथा कमल खंडेलवाल आदि उपस्थित थे।

# अधिक से अधिक बच्चों के नामांकन बढ़ाना हमारा कर्तव्य : बीएसए

सेवानिवृत्त होने पर आयोजित विदाई समारोह में बीएसए रतनकीर्ति शिक्षकों को सम्मानित करती हुई।

## पांच शिक्षिकाओं के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित

## स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

**यूनिक समय, मथुरा।** बेसिक शिक्षा परिषद की न्याय पंचायत सतोहा में जूनियर हाईस्कूल में सेवारत पांच शिक्षिकाओं के सेवा निवृत्त होने पर विदाई समारोह डेम्पियर नगर स्थित एक होटल में आयोजित किया गया। इसमें सेवानिवृत्त शिक्षिकाओं की सेवाओं को सराहा गया।

मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया। बीएसए ने पांचों सेवा निवृत्त शिक्षिकाओं के सेवा काल की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामानाएं दीं। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल सभी शिक्षक शिक्षिकाओं से कहा कि गत एक अप्रैल से जनपद में स्कूल चलो अभियान चल रहा है। इस दौरान अपने–अपने स्कूलों में अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन करायें। इसके लिए अभिभावकों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्री प्राइमरी से लेकर 12 तक एक–एक विद्यालय हर तहसील में बना रही है। अधिक से अधिक नामांकन बढ़ाना हमारा कर्तव्य है। यदि ये नामांकन लगातार घटते रहे तो एक दिन प्राथमिक विद्यालय बंद हो जाएंगे। हमें अपनी रोजी रोटी बचाने को नामांकन बढ़ाना होगा। जो जिम्मेदारी मिले उसको निभाएं। इस अवसर पर जूनियर हाईस्कूल प्रधानाध्यापक पूनम वैद्य, सीतारानी चौरसिया, रामेश्वरी शर्मा, शिक्षिका मीरा शर्मा व अंजुलि सिंह आदि को स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र देकर साथी शिक्षक शिक्षिकाओं ने विदाई दी। इससे पूर्व बीएसए, बीईओ का स्वागत शिक्षिका गीता कुमारी, भारती दुबे, शालिनी हरियाणा, मीनाक्षी शर्मा, गायत्री देवी, कल्पना ने किया।

कार्यक्रम का संचालन सूर्यवीर सिंह यादव ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि बीईओ मथुरा विनय प्रताप सिंह, बेसिक शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र सारस्वत, जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा, एआरपी डोरीलाल शर्मा, गिरीश कौशिक, शांतनू चौधरी, गायत्री देवी, मीनाक्षी शर्मा, कल्पना, नीतू भार्गव, जितेन्द्र मित्तल, प्रदीप कुमार, शालिनी हरियाणा, गीता कुमारी, रीना अरोडा, सरिता चौधरी, समाजसेवी नानक चंद वर्मा राजीव रावत आदि शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

# नारी शक्ति वंदन अधिनियम है ऐतिहासिक निर्णय : नीलम गोयल

पार्षद नीलम गोयल

**यूनिक समय, मथुरा।** भारतीय जनता पार्टी की क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी एवं नगर निगम मथुरा की पार्षद नीलम गोयल ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का एक ऐतिहासिक और युगांतरकारी निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि नीति निर्माण की प्रक्रिया में सशक्त भागीदार और निर्णयकर्ता बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। नीलम गोयल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार द्वारा लाया गया यह कानून देश की करोड़ों माताओं, बहनों और बेटियों के सम्मान और अधिकारों का राष्ट्रीय संकल्प है। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने वाला यह संवैधानिक संशोधन लोकतंत्र को अधिक समावेशी, संवेदनशील और प्रभावी बनाएगा। उन्होंने कहा कि भारत में महिलाएं मतदान और विभिन्न सामाजिक–आर्थिक क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़ रही हैं, लेकिन राजनीति में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी अपेक्षाकृत कम है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर लगभग 46 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व यह दशार्ता है कि महिलाओं को अवसर मिलने पर वे प्रभावी नेतृत्व प्रदान करती हैं। अब यही मॉडल संसद और विधानसभाओं में लागू होगा।

संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर डीग गेट पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते विधायक पूरन प्रकाश।

पीएम श्री विद्यालय महरौली के वार्षिकोत्सव एवं स्कूल चलो अभियान के कार्यक्रम में मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि।

# वार्षिकोत्सव पर स्कूली बच्चों के लिए इनवर्टर देने की घोषणा

**यूनिक समय, मथुरा।** पीएम श्री विद्यालय महरौली में आज वार्षिकोत्सव पर स्कूल चलो अभियान चलाया गया। मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी नरेश कुमार, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला महामंत्री इंद्रपाल सिंह एवं ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सूबेदार थे।प्रधानाध्यापक राजकुमार सारस्वत ने अतिथियों का स्वागत किया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। संचालन उम्मम सिंह ने किया। प्रधानाध्यापक की मांग पर मुख्य अतिथि ने स्कूल को इनवर्टर देने की घोषणा भी की। इस मौके पर नोडल संकुल शिक्षक यशविंद्र सिंह, नंदकिशोर, विवेक कुमार जैन, मंजू रानी, सतेन्द्र कुमार, सतबीर सिंह, हेमन्त शर्मा, कृष्ण कुमार एवं महमूद आदि उपस्थित थे।

# डॉ. आंबेडकर की शोभायात्रा पर की गई पुष्प वर्षा

बाबा साहेब डॉ. बीआर आंबेडकर की जयंती पर मथुरा में निकाली गई शोभायात्रा में शामिल पदाधिकारी।

**यूनिक समय, मथुरा।** बाबा साहब डॉ. बीआर आंबेडकर जन्मोत्सव समारोह समिति के तत्वावधान में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के जन्मोत्सव पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद शोभायात्रा निकाली गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः नौ बजे डॉ. आंबेडकर भवन, आंबेडकर चौक, डीग गेट पुष्पांजलि सभा से हुआ। समिति के अध्यक्ष सूरज पाल सिंह दरोगा के नेतृत्व में पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक पूरन प्रकाश ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर न केवल भारतीय संविधान के शिल्पकार थे, बल्कि वे सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के प्रबल समर्थक भी थे। उन्होंने जीवनभर वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और समाज को समानता एवं भाईचारे का संदेश दिया। सायं चार बजे संत रविदास आश्रम, मसानी रोड से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक पूरन प्रकाश एवं पूर्व अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार भूकेश ने बाबा साहेब की झांकी पर पुष्पवर्षा कर किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री चौधरी सरदार सिंह, बवीता सम्राट, बाबूलाल दिनेश (पूर्व ब्लॉक प्रमुख), समिति अध्यक्ष सूरज पाल सिंह दरोगा, महामंत्री जितेंद्र कुमार निगम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश भाटिया, श्याम सिंह बौद्ध, मान सिंह दरोगा, डालचंद निगम, समाजसेवी महेश काजू, पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, एमपी सिंह, अशोक प्रिया, अशोक केसरिया, मोहन सिंह कदम, मोहर पाल सिंह, त्रिलोकी नाथ कर्दम, नरेंद्र कुमार, ताराचंद प्रधान, बेचैन सिंह, शिवदत्त चतुर्वेदी, लक्ष्मण प्रसाद आनंद, गंगा प्रसाद प्रधान, रवि दिवाकर आदि उपस्थित थे। शोभायात्रा में सामाजिक संदेशों के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

## स्कूल–कालेजों में भी धूमधाम से मनाई आंबेडकर जयंती

# डॉ. आंबेडकर ने सिद्ध किया शिक्षा ही सबसे बड़ा हथियार

बाबा कढेरा सिंह विद्या मंदिर में डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्रपट पर माल्यार्पण करते संस्था के चेयरमैन सुरेश सिंह आदि। अडींग स्थित दीन दयाल इंटर कॉलेज में प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथि।

**यूनिक समय, मथुरा।** स्कूल–कालेजों में भी संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई। विविध कार्यक्रमों का भी आयोजन किया।

भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान के प्रशासनिक भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अभिजित मित्र ने की। उन्होंने रतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार के रूप में डॉ. बीआर आंबेडकर के अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने सामाजिक न्याय, समानता एवं शिक्षा के क्षेत्र में जो अमूल्य कार्य किए, वे आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने सहभागिता की।आईओपी वृन्दावन मे 'भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की जयंती मनाई। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी हेमेन्द्र कुमार ने पीपीटी के माध्यम से छात्र–छात्राओं ने उनके जीवन परिचय, शिक्षा–दीक्षा व संघर्ष के विषय में अवगत कराया। प्रो. संजय कुमार सिंह ने भीमराव आंबेडकर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर, डॉ. केएल अग्रवाल, डॉ. वीरेन्द्र कुमार शर्मा व सौरभ कुलश्रेष्ठ आदि उपस्थित थे। सौंख स्थित बाबा कढेरा सिंह विद्या मंदिर में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती मनाई गई। चेयरमैन सुरेश सिंह ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला। कहा कि उन्होंने विषम परिस्थिति में भी संघर्ष कर न केवल उच्च शिक्षा ग्रहण की, बल्कि समाज को भी शिक्षित किया। कार्यक्रम में प्रबंधक प्रह्लाद सिंह, प्रधानाचार्य देबाशीष सेन, शिक्षा प्रभारी एसवी सिंह, वीरपाल प्रधान, उपप्रधानाचार्य रामबाबू, हेड मास्टर सुरेन्द्र सिंह, कोआर्डिनेटर विपिन सिंह, डॉ. अशोक, रामवीर, जीएस सदानंद शर्मा, ओमप्रकाश, रोहताश, चंद्रेश, राकेश रहिजा आदि उपस्थित थे।

वहीं गोवर्धन के अडींग स्थित दीनदयाल इंटर कॉलेज में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती पर केसीनियर एवं जूनियर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए निबंध प्रतियोगिता कराई गई। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान खुशी राजपूत, द्वितीय स्थान रुचि शिहोरा, तृतीय स्थान प्रांशी मित्तल ने हासिल किया। जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान दिशा, द्वितीय स्थान नीलम तृतीय स्थान रवि कुमार ने हासिल किया। कार्यक्रम में समाजसेवी महेश शर्मा उर्फ गोल्डी भैया, गुलाब सैनी सिंह उर्फ गब्बर सैनी, मंडल महामंत्री कपिल सेठ, चंद्रपाल, समाजवादी पार्टी ब्लॉक अध्यक्ष सोनू यादव, रामप्रसाद यादव, दिनेश सैनी आदि उपस्थित थे। प्रबंधक दिनेश चंद यादव ने बाबा साहेब के जीवन एवं विचारों पर प्रकाश डाला। विद्यालय की ओर से अतिथियों ने गरीब एवं आश्रित बच्चों को किताबें और स्कूल ड्रेस वितरित की गईं।

### जोड़ों में दर्द से लेकर लो बीपी तक कई रोगों का है कारण

# इन पांच बीमारियों का सीधा संबंध है पानी की कमी से

**यूनिक समय, मथुरा।** पानी की कमी शरीर के कई अंगों को प्रभावित कर सकती है। ये न सिर्फ डिहाइड्रेशन का कारण बनती है बल्कि, ये ब्लड सर्कुलेशन, लिवर और किडनी सबके काम काज को प्रभावित करती है। इतना ही नहीं, ये कई अंगों की कमजोरी का भी कारण बन सकती है। इसके अलावा आपको रोज कुछ न कुछ ऐसा महसूस हो सकता है जो कि पानी की कमी से जुड़ा हुआ है। जैसे ड्राई स्किन, कब्ज की समस्या, सिर दर्द और पैरों में अकड़न। इसके अलावा इसका कई रोगों के साथ गहरा संबंध भी है, जानते हैं इस बारे में विस्तार से।

**यूटीआई इंफेक्शन:** पानी की कमी से आपको यूटीआई इंफेक्शन हो सकता है। दरअसल, पानी ही है तो बॉडी में तापमान, पीएच बैलेंस करने के साथ हानिकारक बैक्टीरिया को फ्लश ऑउट करने में मदद करता है। लेकिन, जब पानी की कमी होती है तो ये तीनों ही चीजें प्रभावित होती है और हानिकारक बैक्टीरिया ब्लैडर में जमा होकर फैलने लगते हैं और ये मूत्र पथ में इंफेक्शन का कारण बनते हैं।

**किडनी में पथरी की समस्या:** किडनी में पथरी की समस्या पानी की कमी से हो सकती है। दरअसल, जब शरीर में पानी की कमी होती है तो किडनी का फंक्शन प्रभावित रहता है। किडनी में टॉक्सिन साफ नहीं हो पाते हैं। इससे ये जमा होकर पथरी का रूप लेने लगते हैं और फिर किडनी में चिपक जाते हैं।

**झटके आना:** सीजर या झटके आने की बीमारी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी से होती है। जब पानी कम होता है तो शरीर का इलेक्ट्रिकल फंक्शन प्रभावित रहता है क्योंकि खून के जरिए मिनरल्स का सर्कुलेशन प्रभावित रहता है। ऐसे में ब्रेन तक सही तरीके से सोडियम और पोटेशियम नहीं पहुंच पाता है, इससे ब्रेन और शरीर के बीच संवाद गड़बड़ाता है और झटके आते हैं।

**लो बीपी की समस्या:** लो बीपी की समस्या पानी की कमी से जुड़ी हुई हो सकती है। जब पानी कम पिएंगे तो ब्लड सर्कुलेशन सही से नहीं हो पाता है और दिल के द्वारा खून को पंप करने की गति भी स्लो पड़ जाती है।

इसके अलावा पानी खून के लिए एक होल्डर का काम करता है और इसके साथ पूरे शरीर में सर्कुलेट होता है। तो जब पानी की कमी होती है, तो बीपी लो रहता है।

**जोड़ों में दर्द :** जोड़ों में दर्द की शुरुआत जोड़ों के बीच घर्षण से होती है और ये जोड़ों के बीच नमी की कमी से होती है। ऐसे में जब पानी की कमी होती है तो शरीर में हाइड्रेशन की भी कमी होती है और जोड़ों के बीच घर्षण बढ़ता है। इससे जोड़ों में दर्द हो सकता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको पानी की कमी से बचना चाहिए। तो, हर दिन 8 गिलास पानी पिएं और हेल्दी रहें।

# बालों में डैंड्रफ की समस्या है तो अपनाएं दादी नानी के घरेलू नुस्खे

भावना शुक्ला

**यूनिक समय, मथुरा।** इन दिनों बालों में डैंड्रफ की समस्या बढ़ गई है और सर्दियों के साथ ये परेशानी और बड़ी हो सकती है। ऐसे में डैंड्रफ के कारण आपके बाल तेजी से झड़ सकते हैं और डैमेज का कारण बन सकते हैं। साथ ही लंबे समय तक रहने पर ये स्कैल्प इंफेक्शन का भी कारण बन सकता है। ऐसी स्थिति में आप डैंड्रफ की समस्या से बचने के लिए कुछ दादी नानी के घरेलू नुस्खों को अपना सकते हैं जो हमेशा प्रभावी माने जाते हैं। ये देसी उपाय इतने कारगर हैं कि हफ्तेभर में आपको इसका असर नजर आ सकता है। तो, जानते हैं इन उपायों के बारे में विस्तार से।

टमाटर को पीस कर रख लें और फिर इसमें दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी मिला दें। इसके बाद इस पेस्ट को स्कैल्प पर लगाएं। आधा घंटा छोड़ दें और फिर पानी से अपना बाल धो लें। ऐसा हफ्ते में दो से तीन बार करें। टमाटर का विटामिन सी और मुल्तानी मिट्टी का क्लींजिंग गुण स्कैल्प की सफाई में मददगार है।

नारियल तेल और कपूर डैंड्रफ को गायब कर सकता है। दोनों एंटीबैक्टीरियल और एंटी फंगल गुणों से भरपूर है। तो, नारियल तेल लें और इसे हल्का सा गर्म करें। इसमें कपूर को कूटकर और इसका पाउडर बनाकर मिला लें। अब इस तेल को अपने स्कैल्प पर लगाएं, हल्के हाथों से मसाज करें और फिर 1 घंटा इसे ऐसे ही छोड़ दें।

इसके बाद अपने बालों को शैंपू कर लें। संतरे के छिलके को पीस लें और फिर इसमें नींबू का रस मिला लें। इसके बाद इसे अपने स्कैल्प पर लगाएं। थोड़ी देर बालों को मसाज करें और इसे ऐसे ही रहने दें। फिर लगभग 40 मिनट तक इसे ऐसे ही छोड़ दें और फिर शैंपू कर लें। हफ्ते में दो से तीन बार ये काम करें। नीम और नींबू का रस आपके स्कैल्प को साफ करने में मददगार है। आपको करना ये है कि नीम को पीस लें और फिर इसमें नींबू का रस मिला लें। अब इन दोनों को मिलाकर एक पेस्ट तैयार करें। फिर इस पेस्ट को स्कैल्प पर लगाएं और 1 घंटा इसे ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद बालों को वॉश कर लें। आप पाएंगे कि सिर से डैंड्रफ का सफाया हो चुका होगा और खुजली और इंफेक्शन भी कम होगी।

# कभी पोहे से बनी इडली खाई है, बेहद आसान है रेसिपी

ममता सिंह

**यूनिक समय, मथुरा।** अब तक आप सभी ने ब्रेकफास्ट और लंच में पोहा खाया होगा लेकिन क्या आपने कभी पोहे से बनी इडली खाई है? अगर आप ब्रेकफास्ट में कुछ अलग ट्राई करना चाहते हैं तो आप पोहा इडली बना सकते हैं। यह स्वादिष्ट होने के साथ–साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद है। यह पाचन के साथ–साथ वजन घटाने में भी सहायक है। आइए जानते हैं पोहा इडली बनाने की आसान विधि।

**पोहा इडली बनाने के लिए सामग्री**

पोहा– 2 कप, सूजी– 1 कप, दही– 1 कप, तड़का के लिए सामग्री, तेल– 2–3 चम्मच, चना दाल– 2 चम्मच, उड़द दाल– 2 चम्मच, सरसों के बीज–2 चम्मच, करी पत्ता–3–4, नमक–स्वादानुसार, अदरक–छोटा टुकड़ा, धनिया पत्ता, कदूकस की हुई गाजर ईनो।

**ऐसे बनाएं पोहा इडली**

पोहा इडली बनाने के लिए सबसे पहले पोहा को करीब 8–9 मिनट के लिए भिगो दें फिर इसे मिक्सर में डालें, इसमें सूजी और दही डालकर अच्छे से पीस लें और बैटर तैयार कर लें। बैटर में दही मिलाने से इडली सॉफ्ट बनेगी। अब एक पैन में तेल डालें, उसमें राई, करी पत्ता, नमक, कद्दूकस की हुई गाजर, उड़द दाल और अदरक का टुकड़ा डालकर हल्का लाल होने तक भून लें। जब यह अच्छे से भुन जाए तो इसे तैयार बैटर में डालकर अच्छे से मिला लें। बैटर में हरा धनिया और ईनो डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब इडली का बर्तन लेकर उसे ग्रीस कर लें। अब इसमें इडली बैटर डालें और धीमी आंच पर 12–13 मिनट तक पकाएं। जब इडली तैयार हो जाए तो इसे एक प्लेट में निकाल लें। आपकी स्वादिष्ट इडली बनकर तैयार है। इसे सांबर और नारियल की चटनी के साथ खाएं, आपके बच्चे और परिवार वाले इसे बड़े चाव से खाएंगे।

# इस लड्डू को खाकर उतर जाएगी आपकी सारी थकान

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** हम सभी किसी न किसी दिन ऐसा महसूस करते हैं कि हमारे अंदर एनर्जी नहीं है। हम सुस्त से लगते हैं और ऐसा लगता है कि हम सो जाएं या फिर हमें किसी भी काम को करने में खुशी महसूस नहीं होती है। कई बार ये फीलिंग लंच के बाद आती है और लगता है कि हम में उतनी ताकत नहीं है कि पूरा दिन काम कर सकें। ऐसे ही लोगों के लिए ये टिप्स हैं। दरअसल, अपनी डाइट में कुछ फूड्स को शामिल करना शरीर में एनर्जी देने का काम करता है। साथ ही ये सुस्ती को भी कम करने में मददगार है।

**हलीम के लड्डू :** सेलिब्रिटी डायटीशियन रुजुता दिवेकर बताती हैं कि हलीम के बीजों से बना लड्डू खाना थकान और सुस्ती को कम करने में मदद कर सकता है। दरअसल, इन बीजों का सेवन फोलिक एसिड और आयरन से भरपूर है।

इसके अलावा ये शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ाने के साथ एनर्जी लेवल बढ़ाता है। इससे शरीर में थकान और सुस्ती में कमी आती है।

**तूअर दाल :** आप तूअर दाल लें और इसे 5 से 6 घंटे भिगोकर रख दें। फिर इसे मलमल के कपड़े में बांध कर रख लें। अब जब ये अंकुरित हो जाए तो इस दाल को आराम से बैठकर प्याज मिर्च और टमाटर मिला एक सैलड की तरह खाएं।

आप इसकी दाल भी खा सकते हैं। इस दाल में मिनरल्स और प्रोटीन की अच्छी मात्रा होती है। इसके अलावा ये शुगर स्पाइक को भी होने से रोकता है।

**काजू :** कई बार हम शरीर से ज्यादा, दिमाग से थके होते हैं। काजू को आप लंच के समय ले सकते हैं। मैग्निशियन से भरपूर काजू दिल के लिए हेल्दी है।

आप इसे रात में सोते समय दूध के साथ भी ले सकते हैं। इसके अलावा काजू खाना शरीर में गुड कोलेस्ट्रोल को बढ़ावा देने में भी मददगार है। तो, अगर आपको बहुत ज्यादा थकान और सुस्ती महसूस होती है तो आप इन 3 फूड्स को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

## सुविचार

छोटे कदम भी बड़ी मंजिल तक पहुंचाते हैं, बस लगातार चलते रहें।

## कल का पंचांग

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| तिथि | त्रयोदशी | 12:12-10:31 तक | पक्ष | | कृष्ण पक्ष |
| नक्षत्र | पूर्वभाद्रपदा | 04:05- 03:22 तक | माह | | बैशाख |
| सूर्योदय | | 5:58 AM | चन्द्रोदय | | 04:18 AM |
| सूर्यास्त | | 6:39 PM | चंद्रास्त | | 04:37 PM |
| सूर्य राशि | | मेष राशि | चंद्र | | मीन राशि |
| शुभ मुहूर्त | | | ब्रहम् मुहूर्त | | 04:26-05:14 |
| त्योहार/व्रत | | | विक्रम संवत् | | 2083 |
| राहुकाल | | 12:19 PM: 01:54 PM | वार | | बुधवार |

## ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

### श्रीकृष्ण-अर्जुन की लीला ने खोला कर्मों का रहस्य

# कर्म के हिसाब से कोई नहीं बचता

**यूनिक समय, मथुरा।** पौराणिक कथाओं में कर्म और उसके फल को लेकर कई रोचक प्रसंग मिलते हैं, जो यह समझाने का प्रयास करते हैं कि मनुष्य के अच्छे-बुरे कर्म केवल इसी जन्म तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनका प्रभाव अगले जन्मों तक भी जाता है। ऐसा ही एक प्रेरक प्रसंग श्रीकृष्ण और अर्जुन से जुड़ा हुआ बताया जाता है, जिसमें कर्मफल के रहस्य को सरल रूप में समझाया गया है।

कथा के अनुसार, एक बार श्रीकृष्ण

### जन्म-जन्मांतर का कर्म चक्र , राजा और भिखारिन का पुनर्जन्म

### अर्जुन ने जाना कर्मों का सच, पुनर्जन्म और कर्म का न्याय

और अर्जुन वेश बदलकर पृथ्वी लोक की यात्रा पर निकले। भ्रमण के दौरान वे एक ऐसे स्थान पर पहुँचे, जहाँ एक वृद्धा राजा के महल के द्वार पर भिक्षा मांग रही थी। उसी समय राजा महल से बाहर निकला। उसने उस वृद्धा को देखकर क्रोध में आकर उसकी भिक्षा पात्र को फेंक दिया और उसे अपमानित करते हुए लात मार दी। यह दृश्य श्रीकृष्ण ने देख लिया, लेकिन उन्होंने तत्काल कुछ नहीं कहा।

वृद्धा अत्यंत दुखी होकर रोती हुई अपने घर लौट गई। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि वह उस वृद्धा के घर जाए और उससे भोजन मांगे।

अर्जुन ने वैसा ही किया और वृद्धा ने अपने सीमित भोजन में से भी उसे स्नेहपूर्वक भोजन करा दिया। अर्जुन उस करुणा से प्रभावित होकर वापस लौट आया।

समय बीतता गया और कुछ वर्षों बाद श्रीकृष्ण और अर्जुन पुनः पृथ्वी लोक की यात्रा पर आए। इस बार वे एक भव्य महल में पहुँचे, जहाँ उत्सव और भोज चल रहा था। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि वह भीतर जाकर एक नवजात कन्या को देखे। जैसे ही अर्जुन उस बच्ची के पास गया, वह बच्ची उसे देखकर मुस्कुराई और बोली- "आप ठीक तो हैं ना?"

यह सुनकर अर्जुन आश्चर्यचकित रह गया। वह तुरंत श्रीकृष्ण के पास लौट आया और पूरी घटना बताई। उसी दौरान रास्ते में अर्जुन ने एक बीमार कुत्ते को देखा, जिसे अन्य कुत्ते भौंककर भगा रहे थे।

अर्जुन ने श्रीकृष्ण से पूछा कि यह सब क्या रहस्य है। तब श्रीकृष्ण ने समझाया कि वह नवजात कन्या वही वृद्धा है, जिसने करुणा दिखाकर अर्जुन की भूख मिटाई थी, और वह बीमार कुत्ता वही राजा है जिसने कभी उस वृद्धा का अपमान किया था। इस कथा के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि हर कर्म का फल निश्चित होता है और वह किसी न किसी रूप में व्यक्ति के सामने अवश्य आता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

## मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

## कल का राशिफल

कल का दिन सभी राशियों के लिए मिला जुला है लेकिन महत्वपूर्ण संकेत लेकर आ रहा है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति यह बताती है कि आज का दिन निर्णय लेने, करियर पर ध्यान देने और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने के लिए खास रहेगा। चंद्रमा के प्रभाव से मन में उतार-चढ़ाव और नई योजनाओं की ओर झुकाव बढ़ सकता है।

**मेष राशिः** कल कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। जल्दबाजी से बचें।

**वृषभ राशिः** धन से जुड़े मामलों में सावधानी रखें। किसी पुराने निवेश से लाभ मिल सकता है। परिवार में शांति बनी रहेगी।

**मिथुन राशिः** नई योजनाओं पर काम शुरू हो सकता है। बातचीत में स्पष्टता रखें, वरना गलतफहमी हो सकती है।

**कर्क राशिः** भावनात्मक निर्णय लेने से बचें। नौकरी में स्थिरता रहेगी लेकिन मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है।

**सिंह राशिः** नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। आज का दिन सफलता और सम्मान दिला सकता है। नए अवसर मिल सकते हैं।

**कन्या राशिः** कामकाज में सावधानी जरूरी है। छोटी गलतियां नुकसान दे सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**तुला राशिः** रिश्तों में सुधार होगा। साझेदारी के काम लाभ दे सकते हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

**वृश्चिक राशिः** कल आत्मविश्वास मजबूत रहेगा। विरोधियों पर जीत मिलने के संकेत हैं। यात्रा संभव है।

**धनु राशिः** भाग्य का साथ मिलेगा। शिक्षा और करियर में प्रगति के योग हैं। नए अवसर सामने आ सकते हैं।

**मकर राशिः** काम का दबाव बढ़ सकता है। धैर्य रखें और योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ें। खर्च बढ़ सकते हैं।

**कुंभ राशिः** दोस्तों से सहयोग मिलेगा। नए संपर्क भविष्य में लाभ देंगे। तकनीकी कामों में सफलता मिलेगी।

**मीनः** मानसिक शांति बनाए रखना जरूरी है। आध्यात्मिक रुचि बढ़ेगी और रुके कार्य पूरे हो सकते हैं।

# सड़क पर गिरे हुए पैसे उठाने से मां लक्ष्मी होती हैं प्रसन्न

**यूनिक समय, मथुरा।** अक्सर राह चलते हुए अचानक गिरा हुआ पैसा दिख जाता है। कई लोग पैसे देखते ही तुरंत उठाकर अपने पास रख लेते हैं, तो कई लोग पैसे उठाकर किसी गरीब को दान देते हैं। वहीं कुछ लोग मन ही मन में सोचते हैं कि पैसे उठाने चाहिए या नहीं फिर छोड़ भी देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि सड़क पर गिरे हुए पैसे उठाने चाहिए या नहीं। रास्ते में गिरे हुए पैसे किन बातों के संकेत देते हैं। आइए आज इस खबर में विस्तार से जानते हैं।

**मां लक्ष्मी होती हैं प्रसन्नः** धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यदि सड़क पर पैसे गिरे हुए मिलते हैं तो इसका मतलब आपसे मां लक्ष्मी प्रसन्न हैं। साथ ही आने वाले

समय में आपको बहुत बड़ा धन का लाभ होने वाला है। कर्ज समस्या से मुक्ति मिल सकती है। रुके हुए कार्य जल्द पूर्ण होंगे। मां लक्ष्मी की कृपा से सभी कार्यों में सफलता मिल सकती है।

**मंदिर में करें दानः** धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यदि आपको सड़क पर पैसे गिरे हुए दिखाई देते हैं तो आप उसे उठाकर किसी मंदिर में दान कर सकते हैं।

मान्यता है कि मंदिर में दान करने से धन-धान्य में वृद्धि होती है। साथ ही मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। जीवन से धन संबंधित सारी परेशानियां दूर हो जाती हैं। मंदिर में गिरा हुआ पैसा दान करने से सभी देवी-देवताओं का आशीर्वाद मिलता है।

**गरीबों को करें दानः** धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यदि आप रास्ते में मिले हुए पैसे किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को दान करते हैं तो आप सभी कष्टों से मुक्ति पा सकते हैं, क्योंकि कहा गया है कि दान देने से घटता नहीं है बल्कि बढ़ता है। गरीबों को दान करने से देवी-देवता प्रसन्न होते हैं। साथ ही अपनी कृपा बनाए रखते हैं।

# देवमाली गांव: जहां आस्था से बदलती है किस्मत!

### बिना ताले का गांव, जहां नहीं होती चोरी कभी

### कच्चे घरों में बसती है करोड़ों की आस्था

### इस गांव में तीन बार आने से ठीक हो जाता है रोग?

### रहस्यमयी गांव : जहां डर नहीं, सिर्फ भरोसा

**यूनिक समय, मथुरा।** राजस्थान के अजमेर जिले में अरावली पहाड़ियों के बीच स्थित देवमाली गांव अपनी अनोखी परंपराओं, सामाजिक व्यवस्था और धार्मिक आस्था के कारण देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। यह

गांव पुष्कर क्षेत्र के पास स्थित है और गुर्जर समाज का प्रमुख धार्मिक स्थल माना जाता है।

देवमाली गांव की सबसे खास बात यहां की सादगीपूर्ण जीवनशैली है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, देव नारायण भगवान की कृपा बनाए रखने के लिए गांव में पक्के मकान बनाने से परहेज किया जाता है, इसी कारण आज भी यहां अधिकतर घर कच्चे हैं। ग्रामीण इसे अपनी परंपरा और आस्था का हिस्सा मानते हैं। इस गांव की एक और उल्लेखनीय विशेषता यह है कि यहां के घरों में ताले लगाने की परंपरा नहीं है। ग्रामीणों का दावा है कि लंबे समय से यहां चोरी की कोई घटना नहीं हुई। यह गांव आपसी विश्वास, सामाजिक एकता और अनुशासन का उदाहरण माना जाता है।

देवमाली में मुख्य रूप से गुर्जर समुदाय निवास करता है, जो देव नारायण भगवान को अपना आराध्य मानता है। यहां स्थित मंदिर धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां राजस्थान सहित देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। धार्मिक आयोजनों और मेलों में भी बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं।

हाल के समय में सोशल मीडिया और स्थानीय मान्यताओं के आधार पर यह दावा भी चर्चा में रहा है कि यहां देव नारायण मंदिर में तीन बार आने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों में भी राहत मिलती है या बीमारी खत्म हो जाती है। हालांकि, इस दावे की कोई वैज्ञानिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है और चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का इलाज केवल प्रमाणित मेडिकल ट्रीटमेंट से ही संभव है। ऐसे दावों को आस्था के रूप में देखा जा सकता है, लेकिन इन्हें चिकित्सा तथ्य नहीं माना जा सकता।

देवमाली गांव आज आस्था, परंपरा और विश्वास का अनोखा केंद्र बन चुका है। यह गांव एक ओर सामाजिक एकता और सादगी का संदेश देता है, वहीं दूसरी ओर यह भी दर्शाता है कि आधुनिक समय में परंपराओं के साथ वैज्ञानिक सोच और चिकित्सा जागरूकता का संतुलन बेहद जरूरी है।

## व्रत-त्योहार का कैलेंडर 2026

- 15 अप्रैल: प्रदोष व्रत, मा. शिवरात्रि
- 17 अप्रैल: वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल: भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई : वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई: एकदन्त संकष्टी
- 13 मई: अपरा एकादशी
- 14 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई: ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई : ज्येष्ठ शनि अमावस्या
- 20 मई : वरद चतुर्थी
- 27 मई: पद्मिनी एकादशी
- 28 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई: ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

## सम्पादकीय

# जब गांव बदले, तब सच में देश बदले

"हम सुधरेंगे तो जग सुधरेगा"–यह वाक्य सुनने में जितना सीधा लगता है, अमल में उतना ही टेढ़ा। हम अक्सर चाहते हैं कि देश बदल जाए, सिस्टम सुधर जाए, नेता ईमानदार हो जाएं, लेकिन खुद की बारी आते ही हम 'चलता है' की चादर ओढ़ लेते हैं। ऐसे में जब किसी छोटे गांव से खबर आती है कि वहां गाली देने पर जुर्माना लगेगा या चुनावी पोस्टरों पर पूरी तरह रोक होगी, तो लगता है कि बदलाव अभी भी जिंदा है–बस शहरों की भीड़ में खो गया है।

पवन गौतम
संपादक

जरा सोचिए, जहां बड़े–बड़े शहरों में दीवारें नेताओं के पोस्टरों से ऐसे पट जाती हैं जैसे बरसात में काई, वहीं कुछ गांवों ने तय कर लिया कि "भाई, अब नहीं।" न पोस्टर, न बैनर, न झंडों की होड़–साफ–सुथरा माहौल और साफ नीयत। यह वैसा ही है जैसे किसी शादी में एक मेहमान बिना सेल्फी लिए घर लौट जाए–दुर्लभ, लेकिन प्रेरणादायक। मध्य प्रदेश के एक गांव ने तो गाली पर भी लगाम कस दी। अब अगर किसी ने मुंह खोला, तो या तो जेब ढीली होगी या हाथ में झाड़ू पकड़नी पड़ेगी। यह सजा सुनने में भले हल्की लगे, लेकिन असर गहरा है। आखिर कौन चाहेगा कि उसकी 'तेजतर्रार भाषा' की कीमत उसे सार्वजनिक सफाई से चुकानी पड़े?

महाराष्ट्र के एक गांव में पंचायत ने बेटियों के विवाह का जिम्मा उठाने का फैसला किया। यानी अब समाज सिर्फ उपदेश नहीं देगा, साथ भी खड़ा होगा। यह पहल उन तमाम भाषणों से ज्यादा असरदार है, जो सालों से मंचों पर गूंजते हैं लेकिन जमीन पर नहीं उतरते।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

असल में, समस्या यह नहीं है कि हमारे पास कानून कम हैं; समस्या यह है कि हमारे पास संकल्प कम हैं। हम चाहते हैं कि पुलिस हर गली में हो, लेकिन खुद नियम मानने को तैयार नहीं। हम चाहते हैं कि भ्रष्टाचार खत्म हो, लेकिन 'थोड़ा बहुत चलता है' की मानसिकता छोड़ नहीं पाते।

सच्चाई यही है कि बड़े बदलाव किसी क्रांति से नहीं, छोटी–छोटी आदतों से आते हैं। अगर हम अपने घर से शुरुआत करें–कचरा सही जगह डालें, बच्चों को सच बोलना सिखाएं, और खुद नियमों का पालन करें–तो शायद हमें सिस्टम को कोसने का वक्त ही न मिले।

क्योंकि आखिर में, बदलाव की सबसे बड़ी ताकत कोई सरकार नहीं, बल्कि हम खुद हैं।

## नजरिया

### व्हाइट हाउस में ट्रंप–वेंस में मतभेद

# अमेरिका में ईरान नीति पर घमासान

बोध प्रकाश सगुणी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका की आंतरिक राजनीति एक बार फिर उथल–पुथल के दौर से गुजर रही है। ईरान के साथ इस्लामाबाद में हुई वार्ता का बेनतीजा रहना केवल एक कूटनीतिक विफलता नहीं, बल्कि व्हाइट हाउस के भीतर गहराते मतभेदों का स्पष्ट संकेत है। खासतौर पर डोनाल्ड ट्रंप और जेडी वेंस के बीच बढ़ती दूरी अब सार्वजनिक चर्चा का विषय बन चुकी है। यह टकराव केवल व्यक्तियों का नहीं, बल्कि नीति, दृष्टिकोण और नेतृत्व शैली के टकराव का भी प्रतीक है।

अमेरिकी राजनीति में ट्रंप का अंदाज हमेशा से अलग रहा है। वे निर्णय लेने में आक्रामक, बयानबाजी में स्पष्ट और जिम्मेदारी तय करने में अप्रत्याशित माने जाते हैं। हाल ही में उनका यह कहना कि "अगर समझौता सफल होगा तो श्रेय मेरा होगा और विफलता की जिम्मेदारी वेंस की" – भले ही एक हल्के मजाक के रूप में सामने आया हो, लेकिन इसके राजनीतिक संकेत बेहद गंभीर हैं। यह बयान सत्ता के भीतर भरोसे की स्थिति और जिम्मेदारी के वितरण को उजागर करता है। जब इस्लामाबाद में हुई वार्ता विफल रही और वेंस किसी ठोस परिणाम के बिना लौटे, तो यह बयान फिर से चर्चा में आ गया। इससे यह संदेश भी गया कि प्रशासन के भीतर निर्णय लेने और उसके परिणामों को लेकर एकरूपता नहीं है।

ईरान के साथ संबंधों का इतिहास हमेशा जटिल रहा है। 2015 में हुआ परमाणु समझौता, जिसे बराक ओबामा प्रशासन ने आगे बढ़ाया था, करीब 20 महीने की लंबी बातचीत का परिणाम था। उस समझौते ने कुछ समय के लिए तनाव को कम जरूर किया, लेकिन 2018 में ट्रंप द्वारा उससे बाहर निकलने के फैसले ने दोनों देशों के बीच अविश्वास को फिर से गहरा कर दिया। इस पृष्ठभूमि में नई वार्ता की कोशिशें पहले से ही कठिन थीं। इस बार ईरान ने जिन शर्तों को सामने रखा, वे अमेरिका के लिए स्वीकार करना आसान नहीं थीं। प्रतिबंधों में पूरी छूट और अपने परमाणु कार्यक्रम को जारी रखने की मांग ने बातचीत को जटिल बना दिया। दूसरी ओर, अमेरिका की कुछ शर्तों को ईरान ने सिरे से खारिज कर दिया। ऐसे में यह स्पष्ट था कि दोनों पक्षों के बीच सहमति बनना आसान नहीं होगा। फिर भी, कूटनीति में अक्सर असंभव दिखने वाले रास्ते भी निकाले जाते हैं, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो सका।

यहां सवाल यह नहीं है कि वार्ता विफल क्यों हुई, बल्कि यह है कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है। क्या यह विफलता केवल वेंस की है, जिन्हें वार्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई थी? या फिर यह पूरी प्रशासनिक रणनीति की कमजोरी को दर्शाती है? यही वह बिंदु है, जहां ट्रंप और वेंस के बीच मतभेद खुलकर सामने आते हैं। वेंस का राजनीतिक व्यक्तित्व अपेक्षाकृत संतुलित और संवाद–आधारित माना जाता है। उन्होंने कई मौकों पर सैन्य कार्रवाई के बजाय कूटनीतिक समाधान को प्राथमिकता दी है। यह रुख अमेरिका के भीतर एक बड़े वर्ग को आकर्षित करता है, जो युद्ध के बजाय बातचीत में विश्वास रखता है। लेकिन ट्रंप की शैली इससे अलग है। वे दबाव की राजनीति, सख्त संदेश और त्वरित परिणामों में विश्वास करते हैं। ऐसे में दोनों के बीच दृष्टिकोण का टकराव स्वाभाविक है।

ट्रंप की विदेश नीति में एक अस्थिरता भी देखी जाती है। कभी वे बातचीत के लिए तैयार दिखते हैं, तो कभी सख्त कदमों की बात करते हैं। उदाहरण के लिए, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उनका रुख कई बार बदलता रहा है। यह अस्थिरता न केवल विरोधियों को बल्कि सहयोगियों को भी भ्रमित करती है। कूटनीति में स्पष्टता और निरंतरता बेहद जरूरी होती है, और जब यह दोनों ही कमजोर पड़ते हैं, तो परिणाम भी प्रभावित होते हैं। इस पूरे घटनाक्रम का असर केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि अमेरिका की घरेलू राजनीति पर भी पड़ रहा है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से तेल की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है, जिसका सीधा असर अमेरिकी जनता पर पड़ता है। इसके अलावा, आगामी चुनावों का दबाव भी सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है। विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर सरकार पर हमलावर हैं और इसे प्रशासन की विफलता के रूप में पेश कर रहे हैं।

ट्रंप के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे इस स्थिति को कैसे संभालते हैं। उनकी राजनीतिक शैली में अक्सर यह देखा गया है कि वे विफलताओं के लिए अपने सहयोगियों को जिम्मेदार ठहराते हैं। लेकिन इस बार मामला अलग है, क्योंकि वेंस उपराष्ट्रपति हैं। उन्हें हटाना आसान नहीं है और ऐसा कोई भी कदम राजनीतिक रूप से भारी पड़ सकता है। हालांकि, उनकी छवि को नुकसान पहुंचाना और उन्हें कमजोर करना एक संभावित रणनीति हो सकती है।

वेंस के लिए यह स्थिति एक परीक्षा की तरह है। एक ओर उन्हें अपनी भूमिका और जिम्मेदारी को निभाना है, वहीं दूसरी ओर उन्हें अपनी राजनीतिक छवि को भी बचाना है। यदि उन्हें इस विफलता का मुख्य जिम्मेदार ठहराया जाता है, तो उनके भविष्य पर इसका गहरा असर पड़ सकता है। अमेरिकी राजनीति में छवि और भरोसे का महत्व बहुत अधिक होता है, और एक बार यह कमजोर हो जाए, तो उसे फिर से मजबूत करना आसान नहीं होता। यह घटनाक्रम अमेरिकी राजनीति में नेतृत्व शैली के अंतर को भी उजागर करता है। ट्रंप की शैली जहां आक्रामक, परिणाम–केंद्रित और कभी–कभी अप्रत्याशित है, वहीं वेंस की शैली अधिक संयमित और संवाद पर आधारित है। यह टकराव केवल व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो अलग–अलग राजनीतिक विचारधाराओं का भी है। एक ओर ताकत और दबाव की राजनीति है, तो दूसरी ओर संवाद और संतुलन की। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आने वाले समय में ईरान के साथ कोई ठोस समझौता नहीं होता है, तो इसका असर केवल अंतरराष्ट्रीय संबंधों तक सीमित नहीं रहेगा। यह अमेरिकी चुनावी राजनीति को भी प्रभावित करेगा और सत्ता के भीतर नए समीकरण पैदा करेगा। ट्रंप के लिए यह जरूरी होगा कि वे अपनी रणनीति को स्पष्ट करें और अपने सहयोगियों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करें। अंततः, यह कहना गलत नहीं होगा कि ईरान संकट ने व्हाइट हाउस के भीतर छिपे मतभेदों को उजागर कर दिया है। यह संकट केवल विदेश नीति की परीक्षा नहीं है, बल्कि नेतृत्व, रणनीति और राजनीतिक समझदारी की भी परीक्षा है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि ट्रंप इस चुनौती का सामना कैसे करते हैं–क्या वे वेंस को बलि का बकरा बनाते हैं या फिर एक नई रणनीति के साथ आगे बढ़ते हैं। जो भी हो, यह स्पष्ट है कि इस घटनाक्रम ने अमेरिकी राजनीति को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। यहां लिए गए हर फैसले का असर न केवल अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा। यही कारण है कि इस टकराव को केवल एक राजनीतिक विवाद के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भी समझने की जरूरत है।

## विचार विण्डो

# श्रमिक अधिकारों के सबसे बड़े योद्धा थे आंबेडकर

संजय अग्रवाल

भारत में जब भी सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों की बात होती है तो भीमराव अंबेडकर का नाम सबसे प्रमुख रूप से सामने आता है। आमतौर पर उन्हें संविधान निर्माता के रूप में याद किया जाता है, लेकिन उनका एक और महत्वपूर्ण पक्ष है–मजदूरों और शोषित वर्ग के लिए उनका संघर्ष। आंबेडकर केवल एक विधिवेत्ता या राजनेता नहीं थे, बल्कि वे उन करोड़ों श्रमिकों की आवाज थे, जिनकी पीड़ा लंबे समय तक अनसुनी रही।

डॉ. आंबेडकर का जीवन स्वयं संघर्षों की एक जीवंत मिसाल रहा है। 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में जन्मे आंबेडकर ने बचपन से ही भेदभाव, गरीबी और सामाजिक अपमान का सामना किया। यही अनुभव आगे चलकर उनके विचारों और कार्यों की नींव बने। उन्होंने केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के उस वर्ग के लिए संघर्ष किया, जिसे सदियों से हाशिये पर रखा गया था।

1920 और 1930 के दशक में जब भारत में मजदूर आंदोलन आकार ले रहा था, उस समय आंबेडकर ने श्रमिकों के हितों को लेकर एक अलग और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया। उस दौर में कई मजदूर संगठन हड़तालों और आंदोलनों के जरिए अपने अधिकारों की मांग कर रहे थे। हालांकि, आंबेडकर ने कई बार इन आंदोलनों से दूरी बनाने की सलाह दी। उनका मानना था कि बिना ठोस आर्थिक आधार के हड़तालें मजदूरों के लिए और अधिक कठिनाइयां पैदा कर सकती हैं। यह दृष्टिकोण उन्हें अन्य नेताओं से अलग करता है।1936 में उन्होंने 'स्वतंत्र मजदूर दल' की स्थापना की, जो उनके श्रमिक हितों के प्रति समर्पण का एक महत्वपूर्ण कदम था। इस दल के माध्यम से उन्होंने मजदूरों के लिए बेहतर कार्य परिस्थितियां, उचित वेतन, सीमित कार्य समय और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में काम किया। उनका दृष्टिकोण केवल विरोध तक सीमित नहीं था, बल्कि वे ठोस नीतिगत बदलाव के पक्षधर थे। डॉ. आंबेडकर का मानना था कि भारतीय समाज की

जटिल संरचना को समझे बिना मजदूर आंदोलन को सफल नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कार्ल मार्क्स के वर्ग संघर्ष के सिद्धांत को भारतीय संदर्भ में पूरी तरह उपयुक्त नहीं माना। उनके अनुसार, भारत में मजदूर केवल आर्थिक आधार पर नहीं, बल्कि जाति और सामाजिक विभाजन के आधार पर भी बंटे हुए हैं। ऐसे में मजदूरों की एकता तभी संभव है, जब सामाजिक भेदभाव को खत्म किया जाए। रेलवे मजदूरों और कपड़ा मिल कर्मचारियों के बीच उनके प्रयास इस दिशा में विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। उन्होंने मजदूरों को केवल आर्थिक अधिकारों के प्रति ही नहीं, बल्कि सामाजिक समानता के लिए भी जागरूक किया। उनका यह विचार आज भी प्रासंगिक है कि जब तक समाज में भेदभाव रहेगा, तब तक वास्तविक समानता संभव नहीं है।

1938 में प्रस्तुत 'औद्योगिक कलह विधेयक' के विरोध में उनका रुख यह दर्शाता है कि वे मजदूरों के अधिकारों को लेकर कितने सजग थे। उन्होंने इस विधेयक को मजदूरों के मौलिक अधिकारों के खिलाफ बताया और इसके विरोध में सक्रिय भूमिका निभाई। यह उनके नेतृत्व और प्रतिबद्धता का प्रमाण है कि उन्होंने विभिन्न मजदूर संगठनों को एकजुट कर इस मुद्दे पर व्यापक आंदोलन खड़ा किया। आंबेडकर का कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों से मतभेद भी उनके स्वतंत्र विचारों को दर्शाता है। उन्होंने महात्मा गांधी और कांग्रेस की नीतियों से कई मुद्दों पर असहमति जताई। उनका मानना था कि केवल राजनीतिक स्वतंत्रता पर्याप्त नहीं है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समानता भी उतनी ही जरूरी है। यही कारण है कि उन्होंने हर मुद्दे को अपने दृष्टिकोण से देखा और किसी भी विचारधारा के अंधानुकरण से बचते रहे। 1942 से 1946 के बीच श्रम मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल श्रमिकों के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया।

उन्होंने औद्योगिक संबंधों को बेहतर बनाने, श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने और कार्यस्थल पर बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए कई नीतियां लागू कीं। उनका यह योगदान आज भी भारत की श्रम नीतियों की आधारशिला माना जाता है। आज जब हम आंबेडकर जयंती मनाते हैं, तो यह केवल एक महापुरुष को श्रद्धांजलि देने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके विचारों को आत्मसात करने का भी समय है। वर्तमान समय में भी श्रमिक वर्ग कई चुनौतियों का सामना कर रहा है–असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूर, अस्थायी रोजगार, और सामाजिक सुरक्षा की कमी जैसे मुद्दे आज भी प्रासंगिक हैं।

ऐसे में आंबेडकर के विचार हमें यह सिखाते हैं कि केवल नीतियां बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें सही तरीके से लागू करना भी जरूरी है। उन्होंने हमें यह भी सिखाया कि किसी भी समाज की प्रगति उसके सबसे कमजोर वर्ग की स्थिति से आंकी जाती है।

अंततः डॉ. आंबेडकर का जीवन और उनका कार्य हमें यह संदेश देता है कि सच्ची प्रगति वही है, जिसमें हर व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान मिले। वे केवल संविधान निर्माता नहीं, बल्कि एक ऐसे युगद्दष्टा थे, जिन्होंने समाज के हर वर्ग के लिए न्याय और समानता का सपना देखा और उसे साकार करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

### 17 अप्रैल से शुरु होगी पांच मैचों की सीरीज

# टी20 में साउथ अफ्रीका पर भारी टीम इंडिया

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम 17 अप्रैल से साउथ अफ्रीका दौरे पर पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलने उतरेगी। यह सीरीज आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारियों के लिहाज से काफी अहम मानी जा रही है।

पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीतने के बाद टीम इंडिया का मनोबल काफी उंचा है और अब उसकी नजरें छोटे फॉर्मेट में भी अपना दबदबा कायम रखने पर टिकी हैं।

टी20 इंटरनेशनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम का रिकॉर्ड शानदार रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक 19 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें भारत ने 10 मैच अपने नाम किए हैं, जबकि साउथ अफ्रीका को 6 मुकाबलों में जीत मिली है। इसके अलावा तीन मैचों का कोई परिणाम नहीं निकल सका। ये आंकड़े साफ तौर पर दिखाते हैं कि इस फॉर्मेट में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है।

अगर साउथ अफ्रीका की सरजमीं पर प्रदर्शन की बात करें तो वहां भी टीम इंडिया ने संतुलित और प्रभावी खेल दिखाया है।

भारतीय टीम ने मेजबान टीम के खिलाफ उनके घर में अब तक 8 टी20 मुकाबले खेले हैं, जिनमें से 4 में जीत दर्ज की है, जबकि 2 में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं दो मुकाबले बेनतीजा रहे। पिछली बार 2023 में खेले गए दौरे पर तीन मैचों की टी20 सीरीज 1–1 की बराबरी पर समाप्त हुई थी।

इस सीरीज में टीम इंडिया की नजरें अपनी प्रमुख बल्लेबाजों पर रहेंगी। स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा से टीम को तेज और मजबूत शुरुआत की उम्मीद होगी। इसके अलावा मिडिल ऑर्डर और गेंदबाजी इकाई की भूमिका भी अहम रहने वाली है, क्योंकि विदेशी परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखना जरूरी होता है। दूसरी ओर, साउथ अफ्रीका की टीम घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने की पूरी कोशिश करेगी। हालांकि भारतीय टीम का अनुभव और बेहतर हेड–टू–हेड रिकॉर्ड उसे मनोवैज्ञानिक बढ़त देता है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि टीम इंडिया अपने शानदार रिकॉर्ड को बरकरार रखते हुए इस सीरीज पर कब्जा जमा पाती है या नहीं।

# आलिया भट्ट की चिंता पर सद्गुरु की खास सलाह

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों मदरहुड को लेकर अपनी भावनाएं खुलकर साझा कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी तीन साल की बेटी राहा कपूर को लेकर एक ऐसी चिंता जाहिर की, जिससे कई माता–पिता खुद को जोड़ सकते हैं। आलिया के अनुसार, इतनी छोटी उम्र में ही राहा के मन में हार का डर और हर हाल में जीतने की चाह दिखने लगी है।

चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आलिया ने आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु जग्गी वासुदेव से इस विषय पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि मां बनने के बाद उनकी जिंदगी खुशी और चिंता का मेल बन गई है। आलिया ने सवाल उठाया कि क्या वह अपनी बेटी की सही परवरिश कर रही हैं और आज के समय में बच्चों को सही दिशा देने के लिए माता–पिता को क्या करना चाहिए।

आलिया ने बताया कि राहा अक्सर हर खेल में जीतना चाहती है और अगर कोई उससे आगे निकल जाए तो वह इसे स्वीकार नहीं कर पाती। इस पर सद्गुरु ने उन्हें अहम सलाह देते हुए कहा कि बच्चों को सिखाने की बजाय उन्हें समझना ज्यादा जरूरी है। उनके अनुसार, माता–पिता को बच्चों का अवलोकन करना चाहिए, क्योंकि बच्चे जीवन को बहुत स्वाभाविक तरीके से समझते हैं।

सद्गुरु ने यह भी कहा कि बच्चों पर ज्यादा अपेक्षाएं डालने से उनमें असफलता का डर पैदा होता है, इसलिए उन्हें अनुभवों से सीखने देना चाहिए।

वर्क फ्रंट पर आलिया जल्द ही 'लव एंड वॉर' और 'अल्फा' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी।

### 'पार्टनर इन क्राइम' को खोने का छलका दर्द

# आशा भोसले के निधन से टूटी पोती जनाई

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** दिग्गज गायिका आशा भोसले के निधन से पूरा देश शोक में डूबा है। 12 अप्रैल को 92 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली, जिसके बाद 13 अप्रैल को राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दुखद क्षण ने उनके परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है, खासतौर पर उनकी पोती जनाई भोसले पूरी तरह बिखर गई हैं।

अंतिम यात्रा के दौरान जनाई का रोता–बिलखता वीडियो सामने आया था, जिसने सभी को भावुक कर दिया। अब जनाई ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपनी दादी को खोने का दर्द बयां किया है। उन्होंने आशा भोसले के साथ एक पुराना वीडियो शेयर किया, जिसमें दोनों के बीच की खास बॉन्डिंग साफ नजर आती है।

वीडियो में आशा ताई 'दिल चीज क्या है' गुनगुनाती दिख रही हैं, जबकि जनाई उनके साथ हंसती–मुस्कुराती नजर आती हैं।

जनाई ने अपने पोस्ट में लिखा कि वह अपनी "पार्टनर इन क्राइम", बेस्ट फ्रेंड और अपनी दुनिया को पूरा करने वाली शख्सियत को खो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि हर सुबह उनकी शुरुआत दादी के साथ चाय पीकर होती थी, लेकिन अब यह सब यादें बनकर रह गई हैं। "अब मैं किसे गले लगाऊं, किसके साथ चाय पियूं और किसे अपने बेकार जोक्स सुनाऊं?"–इन सवालों के जरिए उन्होंने अपने खालीपन को व्यक्त किया।

उन्होंने आगे लिखा कि आशा भोसले सिर्फ एक महान कलाकार नहीं, बल्कि जिंदगी और हंसी की मिसाल थीं। जनाई ने लोगों से अपील की कि उन्हें उसी रूप में याद करें। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा प्यार खो दिया है और इससे बड़ा कोई दर्द नहीं होता।

जनाई के इस पोस्ट पर कई सेलेब्स और फैंस ने प्रतिक्रिया दी है। सभी ने उन्हें ढांढस बंधाया और आशा भोसले को श्रद्धांजलि दी। बता दें कि आशा भोसले को तबीयत बिगड़ने के बाद मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां मल्टीपल ऑर्गन फेलियर के चलते उनका निधन हो गया।

### विजय का रिएक्शन हुआ वायरल

# चुनावी रैली में फैन ने दी शादी की फोटो

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** साउथ सुपरस्टार थलापति विजय इन दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा राजनीति और निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले वह लगातार चुनावी रैलियां कर रहे हैं। इसी बीच उनकी एक रैली का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक फैन उन्हें उनकी शादी की फोटो भेंट करता नजर आ रहा है।

दरअसल, रैली के दौरान विजय की नजर एक फैन पर पड़ी, जो उनके और पत्नी संगीता की एडिटेड वेडिंग फोटो लिए खड़ा था। फोटो में उनके साथ दिवंगत अभिनेता विजयकांत भी नजर आ रहे थे। जैसे ही विजय ने यह देखा, उन्होंने अपने सुरक्षाकर्मियों से वह फोटो मंगवाई। इसके बाद उन्होंने फोटो को हाथ में लेकर ऊपर उठाया, थम्ब्स अप किया और कुछ पल तक ध्यान से देखने के बाद वापस लौटा दिया। यह वीडियो इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि हाल ही में विजय और उनकी पत्नी संगीता के तलाक की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फरवरी 2026 में संगीता

ने कोर्ट में तलाक की अर्जी दाखिल की है। दोनों की शादी 1999 में हुई थी और उनके दो बच्चे हैं।

तलाक की वजह के तौर पर क्रूरता और अन्य आरोपों का जिक्र किया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो पर फैंस अलग–अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि फोटो देखते समय विजय भावुक नजर आए, वहीं कई यूजर्स ने अपने फैंस के प्रति उनके सादगी भरे व्यवहार की सराहना की। वहीं, प्रोफेशनल फ्रंट पर विजय की फिल्म 'जना नायकन' रिलीज से पहले ही लीक होने को लेकर भी विवादों में है, जबकि वह अब पूरी तरह राजनीति में सक्रिय नजर आ रहे हैं।

### पैट कमिंस की वापसी पर बड़ा अपडेट

# फिटनेस टेस्ट के बाद भारत लौटने की संभावना

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** आईपीएल 2026 के बीच सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस की वापसी को लेकर अहम अपडेट सामने आया है।

ऑस्ट्रेलिया के इस स्टार तेज गेंदबाज की फिटनेस पर सबकी नजरें टिकी हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, कमिंस 15 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया में फिटनेस टेस्ट देंगे। यदि वह इसमें सफल रहते हैं तो 17 अप्रैल तक भारत लौट सकते हैं। ऐसे में उनके 18 अप्रैल को होने वाले अगले मैच में खेलने की संभावना भी जताई जा रही है।

कमिंस ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही संकेत दे दिए थे कि वह आईपीएल के दूसरे चरण में वापसी कर सकते हैं। उन्होंने बताया था कि वह लगातार गेंदबाजी कर रहे हैं और मिड–सीजन तक पूरी तरह

फिट होने का लक्ष्य रखा गया है। गौरतलब है कि वह 27 मार्च को भारत आए थे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ शुरुआती मैच में टीम के साथ थे, लेकिन 2 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले के बाद वह ऑस्ट्रेलिया लौट गए थे।

हालांकि, उनकी वापसी सिर्फ फिटनेस टेस्ट पर ही निर्भर नहीं है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (अनापत्ति प्रमाण पत्र) मिलना भी जरूरी है। ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड अपने तेज गेंदबाजों के वर्कलोड को लेकर सख्त रुख अपनाता रहा है, ऐसे में अंतिम फैसला वहीं से आएगा। कमिंस की गैरमौजूदगी में सनराइजर्स हैदराबाद की कमान ईशान किशन संभाल रहे हैं। इस दौरान टीम को युवा गेंदबाजों प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन से शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिन्होंने अपने डेब्यू मैच में चार–चार विकेट लेकर सबका ध्यान खींचा।

अगर कमिंस की वापसी होती है तो हैदराबाद की गेंदबाजी और मजबूत हो जाएगी, जो टीम के लिए बड़ा प्लस साबित हो सकता है। फिलहाल एसआरएच ने पांच मैचों में दो जीत और तीन हार के साथ चार अंक जुटाए हैं और अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। कमिंस की वापसी टीम के अभियान को नई दिशा दे सकती है।

## सार संक्षेप

### पीएम मोदी ने दून-दिल्ली इकोनॉमिक कॉरिडोर का किया लोकार्पण

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** देहरादून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दून-दिल्ली इकोनॉमिक कॉरिडोर का लोकार्पण कर इसे जनता को समर्पित किया। इस परियोजना के शुरू होने से देहरादून से दिल्ली की दूरी लगभग ढाई से तीन घंटे में तय की जा सकेगी। करीब 11,963 करोड़ रुपये की लागत से बने इस 213 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर को क्षेत्रीय विकास के लिए अहम माना जा रहा है। इस अवसर पर कई अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया गया, जिनसे उत्तराखंड में कनेक्टिविटी और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित कई केंद्रीय मंत्री उपस्थित रहे।

### अब बिहार सम्राट होंगे सीएम, विजय और निशांत होंगे डिप्टी सीएम

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। चर्चा है कि सम्राट चौधरी राज्य के नए मुख्यमंत्री बन सकते हैं, जबकि विजय चौधरी और नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावना जताई जा रही है।

### तमिलनाडु चुनाव: बीजेपी का घोषणापत्र जारी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने अपना चुनावी घोषणापत्र जारी कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री जेपी नड्डा ने चेन्नई में इसे लॉन्च किया, जिसमें कई बड़े वादे किए गए हैं। पार्टी ने महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपये, सालाना तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर और एकमुश्त 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। इसके अलावा ई-स्कूटर पर 25,000 रुपये की सब्सिडी और पहली बार घर खरीदने वाली महिलाओं के लिए स्टाम्प ड्यूटी में छूट का भी प्रस्ताव है।

### अमित शाह के रोड शो के बाद हिंसा, टीएमसी-बीजेपी कार्यकर्ता भिड़े

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में अमित शाह के रोड शो के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। रोड शो समाप्त होते ही टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई, जिसमें कई लोग घायल हुए। बीजेपी ने टीएमसी पर हमले का आरोप लगाया, जबकि टीएमसी ने आरोपों को खारिज किया। दोनों पक्षों के बीच बढ़ते तनाव के बाद इलाके में पुलिस तैनात कर दी गई है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

### श्रमिक आंदोलन के समर्थन में उतरे राहुल गांधी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** गौतमबुद्धनगर में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर श्रमिकों का प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। कई स्थानों पर प्रदर्शन हिंसक हो गया और पत्थरबाजी की घटनाएं भी सामने आईं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। इस बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने श्रमिकों के समर्थन में बयान देते हुए केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधा।

## पुलिस ने जताई सुनियोजित साजिश की आशंका

# व्हाट्सऐप ग्रुप और क्यूआर कोड से भड़काने का आरोप

**यूनिक समय, नोएडा।** नोएडा में फैक्ट्री कर्मचारियों की वेतन वृद्धि को लेकर चल रहा आंदोलन अचानक हिंसक हो गया, जिसमें आगजनी, तोड़फोड़ और पथराव की घटनाएं सामने आईं। अब इस पूरे मामले में पुलिस कमिश्नर ने बड़ी साजिश की आशंका जताई है।

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि हिंसा को भड़काने के लिए सुनियोजित तरीके से कई नए व्हाट्सऐप ग्रुप बनाए गए और क्यूआर कोड के जरिए लोगों को जोड़ा गया। इन ग्रुप्स के माध्यम से कर्मचारियों को उकसाने और प्रदर्शन को उग्र बनाने की कोशिश की गई। उन्होंने बताया कि कुछ लोग ऐसे थे जो वास्तविक श्रमिक नहीं थे, बल्कि भीड़ में शामिल होकर माहौल

बिगाड़ रहे थे। पुलिस का कहना है कि पहले स्थिति नियंत्रण में थी, लेकिन अचानक आसपास के गांवों से आई टोलियों ने हिंसा शुरू कर दी। इसके बाद कई स्थानों पर आगजनी और पथराव हुआ, जिससे औद्योगिक क्षेत्र में तनाव फैल गया।

इस मामले में अब तक 150 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि इनमें कितने वास्तविक कर्मचारी हैं और कितने बाहरी तत्व। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस हिंसा के पीछे कौन सा संगठित समूह सक्रिय था। प्रशासन का कहना है कि प्रदर्शन कई दिनों से शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा था और बातचीत के जरिए कई मुद्दों पर सहमति भी बन चुकी थी, लेकिन अचानक हालात बिगड़ गए।

उधर, सरकार ने भी मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईलेवल कमेटी गठित कर दी है, जो कर्मचारियों की मांगों और औद्योगिक शांति पर रिपोर्ट देगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो और किसी भी कीमत पर औद्योगिक माहौल खराब न होने दिया जाए। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी है और इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

### गांवों से आई भीड़ ने बिगाड़े हालात

### सरकार ने गठित की उच्च स्तरीय जांच समिति

### मुख्यमंत्री ने दिये दोषियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

### श्रमिक आंदोलन से फैला तनाव, जांच तेज

# आंबेडकर की प्रतिमा हटाने पर तनाव, गांव में पुलिस तैनात

**यूनिक समय, पीलीभीत।** पीलीभीत के बरखेड़ा थाना क्षेत्र के कबूलपुर गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा हटाए जाने को लेकर तनाव की स्थिति बन गई है। घटना के बाद गांव में भारी आक्रोश देखने को मिला और एहतियात के तौर पर पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने चंदा इकट्ठा कर आंबेडकर पार्क में प्रतिमा स्थापित की थी और आंबेडकर जयंती के अवसर पर उसका अनावरण किया जाना था। लेकिन इससे पहले ही देर रात प्रतिमा हटाए जाने की सूचना से ग्रामीण भड़क उठे। सुबह जब लोग मौके पर पहुंचे तो प्रतिमा न देखकर नारेबाजी शुरू हो गई।

गांव में स्थिति तनावपूर्ण होते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार, प्रतिमा बिना अनुमति के स्थापित की गई थी, इसलिए उसे हटाया गया। प्रशासन का कहना है कि नियमों के तहत प्रक्रिया पूरी किए बिना किसी भी सार्वजनिक स्थान पर प्रतिमा लगाना उचित नहीं है।

घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और अपनी नाराजगी जाहिर की। कई लोगों ने इसे भावनाओं से जुड़ा मुद्दा बताते हुए प्रशासन से पुनर्विचार की मांग की है। वहीं पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गांव में गश्त बढ़ा दी है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

### लखनऊ में अंबेडकर जयंती के पोस्टर फाड़े, आरोपी गिरफ्तार

**यूनिक समय, लखनऊ।** लखनऊ में डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती से जुड़े पोस्टर फाड़ने और काटने की घटना सामने आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला हजरतगंज थाना क्षेत्र का है, जहां 1090 चौराहे और आसपास के इलाकों में लगे पोस्टर और बैनर क्षतिग्रस्त कर दिए गए थे। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री आवास से लेकर 1090 चौराहे तक लगाए गए बीएसपी और आंबेडकर जयंती से जुड़े पोस्टरों को ब्लेड से काटा गया था, जिससे इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी हिमांशु मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में मामले के कारणों की जांच की जा रही है, जबकि पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि क्या इस घटना के पीछे कोई और शामिल था या यह व्यक्तिगत कृत्य था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि किसी भी प्रकार की सांप्रदायिक या राजनीतिक तनाव फैलाने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे मामले की गहन जांच जारी है और आरोपी से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि आवश्यक अनुमति के लिए आवेदन किया जाता है, तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में बताई जा रही है और किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है।

## अखिलेश यादव ने बाबा साहेब को दी श्रद्धांजलि

# नोएडा की घटना पर सरकार को घेरा

**यूनिक समय, लखनऊ।** लखनऊ में डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के अवसर पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान केवल दस्तावेज नहीं बल्कि न्याय और अधिकारों की गारंटी है। उन्होंने दावा किया कि देश में सामाजिक न्याय की लड़ाई को कमजोर करने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन जनता जागरूक है और इसका विरोध करेगी। इस मौके पर उन्होंने हाल ही में हुई घटनाओं का भी जिक्र किया और राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नोएडा में जो स्थिति बनी, वह सरकार की प्रशासनिक विफलता का परिणाम है। अगर समय रहते कदम उठाए जाते तो हालात नहीं बिगड़ते। सपा प्रमुख ने आगे आरोप

लगाया कि सरकार के पास जानकारी होने के बावजूद व्यवस्था को नियंत्रित नहीं किया गया, जिससे तनाव की स्थिति बनी। उन्होंने इसे गंभीर लापरवाही बताया और कहा कि ऐसी घटनाएं लोकतंत्र और सामाजिक सौहार्द के लिए ठीक नहीं हैं।अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि जनता बदलाव चाहती है और 2027 में उत्तर प्रदेश में नई राजनीतिक दिशा देखने को मिलेगी। उन्होंने सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की रक्षा को अपनी पार्टी की प्राथमिकता बताया और कहा कि संघर्ष जारी रहेगा।

# मायावती ने आंबेडकर जयंती पर दी श्रद्धांजलि

**यूनिक समय, लखनऊ।** लखनऊ में डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के अवसर पर बसपा प्रमुख मायावती ने अपने आवास पर बाबा साहेब को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संदेश भी जारी किया और सामाजिक न्याय के विचारों को आगे बढ़ाने की बात कही।

मायावती ने कहा कि बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से देश के शोषित, वंचित और कमजोर वर्गों को अधिकार और सम्मान दिलाने का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणा हैं। वहीं गोमती नगर स्थित डॉ. आंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर पार्टी का बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक जुटे। इसे बसपा के शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा जा रहा है। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेताओं ने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

### बसपा ने दिखाया शक्ति प्रदर्शन

## कासगंज—नई दिल्ली इंटरसिटी शुरू

# क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मिलेगा नया विस्तार

**यूनिक समय, कासगंज।** कासगंज से नई दिल्ली के बीच बहुप्रतीक्षित इंटरसिटी ट्रेन सेवा का विस्तार कर दिया गया है, जो 16 अप्रैल से नियमित रूप से संचालित होगी। इस नई रेल सेवा से कासगंज, बदायूं और उझानी क्षेत्र के यात्रियों को राजधानी दिल्ली तक सीधी और सुगम कनेक्टिविटी मिल जाएगी।

बदायूं रेलवे स्टेशन पर विशेष उद्घाटन ट्रेन को केंद्रीय राज्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्रीय विकास, शिक्षा, व्यापार और रोजगार के अवसरों को नई

गति देगी। ट्रेन के संचालन से यात्रियों को समय और धन दोनों की बचत होगी। रेलवे प्रशासन के अनुसार नई समय-सारिणी के तहत यह ट्रेन प्रतिदिन शाम को दिल्ली से रवाना होकर रात में बरेली, बदायूं और उझानी होते हुए कासगंज पहुंचेगी। वहीं वापसी में यह ट्रेन तड़के कासगंज से चलकर सुबह दिल्ली पहुंचेगी। कुल 18 कोच वाली इस इंटरसिटी ट्रेन में सामान्य, आरक्षित और वातानुकूलित कुर्सीयान कोच शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस सेवा से न केवल यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। छात्रों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों के लिए यह सीधी रेल सेवा बड़ी सुविधा साबित होगी। रेलवे ने यह भी संकेत दिया है कि आने वाले समय में अन्य रूटों पर भी कनेक्टिविटी बढ़ाई जाएगी, जिससे उत्तर प्रदेश के छोटे शहरों को राष्ट्रीय राजधानी से बेहतर जोड़ा जा सके।

**वेतन की जंग में जला नोएडा**

**पुलिस की बस पर हमला, एनसीआर में हाई अलर्ट**

# श्रमिक आंदोलन फिर उग्र, कई इलाकों में तनाव

नोएडा में प्रदर्शन के दौरान पथराव करते प्रदर्शनकारी।

हिंसक प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गाड़ी को लगाई आग।

## 40,000 से अधिक मजदूर सड़कों पर उतरे

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** नोएडा में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर श्रमिकों का प्रदर्शन एक बार फिर उग्र हो गया है। 80 से अधिक स्थानों पर 40,000 से अधिक मजदूर सड़कों पर उतर आए। फेज–2 और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में मंगलवार को भी बड़ी संख्या में कर्मचारी सड़कों पर उतर आए, जिससे कई जगह तनावपूर्ण स्थिति बन गई। पुलिस ने हालात को काबू में करने के लिए भारी बल तैनात किया है और संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्त की जा रही है। सुबह से ही सेक्टर–80 और फेज–2 के औद्योगिक क्षेत्रों में प्रदर्शनकारी एकत्र होने लगे और कुछ स्थानों पर पुलिस के साथ झड़प की घटनाएं भी सामने आईं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने कई जगह हल्का बल प्रयोग किया और प्रदर्शनकारियों को हटाने का प्रयास किया। प्रशासन का कहना है कि स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। सोमवार को हुए प्रदर्शन के बाद हालात और अधिक तनावपूर्ण हो गए थे, जब कई स्थानों पर तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं सामने आईं। इसके बाद पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए कई उपद्रवियों को हिरासत में लिया और पूरे औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई। अधिकारियों के अनुसार, अब तक दर्जनों लोगों से पूछताछ की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज की मदद से स्थिति की जांच की जा रही है। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से वेतन वृद्धि, भत्तों में सुधार और कार्य घंटों में संतुलन की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि मौजूदा वेतन वर्तमान महंगाई के अनुरूप नहीं है, जिससे उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कई मांगों पर पहले ही विचार किया जा चुका है और कुछ पर कार्रवाई भी शुरू हो चुकी है। अधिकारियों ने कहा है कि कानून–व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे और किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बीच औद्योगिक क्षेत्रों में कई कंपनियों के संचालन पर भी असर पड़ा है, जिससे उत्पादन कार्य प्रभावित हुआ है। सुरक्षा कारणों से कई स्थानों पर अस्थायी रूप से कामकाज रोकना पड़ा है। फिलहाल पूरे क्षेत्र में स्थिति पर नजर रखी जा रही है और पुलिस–प्रशासन लगातार लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहा है।

नोएडा में हिंसक प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज करते गिरा पुलिसकर्मी ।

## नोएडा में घरेलू सहायिकाओं का वेतन वृद्धि को लेकर प्रदर्शन

नोएडा में श्रमिकों के बाद अब घरेलू सहायिकाओं ने भी वेतन वृद्धि की मांग को लेकर विरोध शुरू कर दिया है। मंगलवार को सेक्टर–121 में बड़ी संख्या में घरेलू सहायिकाएं एकत्र होकर प्रदर्शन करने लगीं। प्रदर्शन के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया और सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। सहायिकाओं का आरोप है कि कार्रवाई के दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया और गर्भवती महिलाओं के साथ भी सख्ती बरती गई। इस घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया और लोग इधर–उधर भागने लगे। वहीं प्रशासन का कहना है कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं और भीड़ को शांत कराया गया है। घटना के बाद क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

**पुलिस का बड़ा खुलासा**

# नोएडा हिंसा में बाहरी लोगों की भूमिका का दावा

नोएडा में हिंसक प्रदर्शन के दौरान वाहनों में लगाई आग।

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** नोएडा में हुए श्रमिक प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा को लेकर पुलिस ने बड़ा दावा किया है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के अनुसार, कुछ बाहरी लोगों ने भीड़ में शामिल होकर माहौल को बिगाड़ने और हिंसा भड़काने की कोशिश की। अधिकारियों का कहना है कि कई स्थानों पर श्रमिक शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन अचानक कुछ संदिग्ध समूहों के शामिल होने के बाद हालात बिगड़ गए। इन समूहों पर अराजकता फैलाने और भीड़ को उकसाने का आरोप है। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है और बाकी की पहचान की जा रही है। प्रशासन ने यह भी संकेत दिया है कि सोशल मीडिया के जरिए भीड़ को भड़काने की कोशिश की गई, जिसकी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पूरी घटना किसी संगठित साजिश का हिस्सा हो सकती है और सभी पहलुओं की गहन जांच जारी है।

## पुलिस ने 350 से अधिक लोग गिरफ्तार

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** नोएडा के फेज–2 क्षेत्र में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर चल रहे प्रदर्शन के दौरान एक बार फिर हालात तनावपूर्ण हो गए। मंगलवार को बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्र हुए और पुलिस के साथ झड़प की स्थिति बन गई। इस दौरान पथराव की घटनाएं भी सामने आईं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया और भीड़ को मौके से हटाया गया। प्रशासन के अनुसार, अब तक 350 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है और पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

नोएडा में हिंसक प्रदर्शन के दौरान पथराव करते प्रदर्शनकारी ।

नोएडा में हिंसक प्रदर्शन के दौरान महिलाओं को समझाते पुलिस अफसर ।

## नोएडा में श्रमिकों की वेतन वृद्धि की मांग स्वीकार : डीएम

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** नोएडा में श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन के बीच जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। डीएम मेधा रूपम ने कहा कि श्रमिकों की प्रमुख मांग वेतन वृद्धि को स्वीकार कर लिया गया है और इसके साथ कई महत्वपूर्ण निर्देश भी जारी किए गए हैं। निर्णय के अनुसार श्रमिकों का वेतन हर महीने 10 तारीख से पहले उनके खातों में भेजा जाएगा। बोनस हर साल नवंबर से पहले दिया जाएगा। ओवरटाइम के लिए दोगुना वेतन और साप्ताहिक अवकाश के दिन काम करने पर भी डबल भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही हर जगह यौन उत्पीड़न समिति का गठन किया जाएगा, जिसकी अध्यक्ष महिलाएं होंगी।

### संदिग्ध परिस्थियों में युवक गोवर्धन थाने से लापता

# युवक की तलाश में भटक रही मां

**यूनिक समय, चौमुहां।** प्रेम मंदिर के पास फल का ठेला लगाने वाला एक 30 वर्षीय युवक संदिग्ध परिस्थितियों में गोवर्धन पुलिस की कस्टडी से लापता हो गया है। पुलिस का कहना है कि उसे पीएचसी से लाने के बाद युवक को थाने पर हंगामा करने के कारण छोड़ दिया गया था। पीड़ित की मां ने थाना जैंत में गुमशुदगी की तहरीर दी है।

जनपद बुलंदशहर के थाना छतारी के गांव तोर बुजुर्ग निवासी संजय सिंह पुत्र शिवपाल सिंह पिछले तीन साल से परिवार के साथ छटीकरा में किराए के मकान में रह रहा है। संजय सिंह वृंदावन स्थित प्रेम मंदिर के पास फल का ठेला लगाता है।

परिजनों ने बताया कि 12 अप्रैल को संजय मां को ठेले पर छोड़कर शौच जाने की कहकर गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बाद पता चला कि वह राल–छटीकरा रोड पर शराब के ठेके के पास अचेत अवस्था में मिला था। राहगीरों की सूचना पर एम्बुलेंस ने उसे सीएचसी राल में भर्ती कराया था। जहां से उसे सीएचसी गोवर्धन के लिए रेफर कर दिया गया। परिजनों का आरोप है कि गोवर्धन स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों ने संजय को ठीक होने के बाद थाना

## पुलिस ने माना, डाक्टर ने सुपुर्दगी में दिया था युवक

## मानसिक स्थिति ठीक न होने और हंगामा करने पर उसे छोड़ा था

गोवर्धन पुलिस के सुपुर्द कर दिया था। इसके बावजूद संजय घर नहीं पहुंचा। जब मां और परिजन थाने पहुंचे, तो उन्हें पुलिस से संतोषजनक जवाब नहीं मिला। थाना प्रभारी गोवर्धन, भगवत सिंह गुर्जर का कहना है कि यह बात सही है कि चिकित्सकों ने युवक को पुलिस के हवाले किया था, लेकिन वह थाने में काफी हंगामा कर रहा था। मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण उसे वहीं छोड़ दिया गया था। अब सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं ताकि उसकी लोकेशन का पता चल सके।

बेटे की तलाश में दर–दर भटक रही मां ने अब थाना जैंत में गुमशुदगी की तहरीर दी है। हालांकि, थाना प्रभारी जैंत उमेश चंद्र त्रिपाठी का कहना है कि मामला अभी उनके संज्ञान में नहीं आया है, जानकारी की जा रही है।

# स्मार्ट मीटर की जांच पड़ताल से संतुष्ट नहीं दिखे उपभोक्ता

बिजली अधिकारी मीटर चैक करते हुए।

## उपभोक्ताओं में आक्रोश, आजमपुर में लगा समाधान कैंप

## उपभोक्ताओं ने लगाए तेज चलने और अधिक बिल आने के आरोप

**यूनिक समय, मथुरा।** शहर में स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं का विरोध लगातार जारी है। खासकर महिलाओं में इसको लेकर काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है। उपभोक्ता लगातार शिकायतें दर्ज कराते हुए जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर अपनी समस्याएं बता रहे हैं। लोगों का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली के बिल अधिक आ रहे हैं, मोबाइल पर मैसेज नहीं मिलते और बिना जानकारी के अधिक पैसे कट रहे हैं। इन्हीं समस्याओं के समाधान और उपभोक्ताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को आजमपुर क्षेत्र में एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप एसई शहरी मुदित तिवारी के निर्देश पर लगाया गया। कैंप में एक्सईएन आशीष गुप्ता, एसडीओ शुभम अग्रवाल और जेई प्रतीक सहित विभागीय टीम मौजूद रही। जीएमआर कंपनी के प्रतिनिधि भी इसमें शामिल हुए। कैंप में बड़ी संख्या में महिलाएं और अन्य उपभोक्ता पहुंचे और स्मार्ट मीटर को लेकर अपनी नाराजगी जताई। लोगों ने आरोप लगाया कि मीटर तेज चल रहा है और बिजली का बिल पहले से ज्यादा आ रहा है। कई उपभोक्ताओं ने पुराने मीटर दोबारा लगाने की मांग भी की। अधिकारियों ने उपभोक्ताओं को समझाते हुए बताया कि स्मार्ट मीटर बिजली की वास्तविक खपत के अनुसार ही चलता है। पारदर्शिता दिखाने के लिए टीम ने मौके पर जांच भी की। टीम ने करीब 10 कनेक्शनों पर जाकर पुराने और नए मीटर की रीडिंग का मिलान कराया। जांच में दोनों मीटरों की रीडिंग समान पाई गई और किसी प्रकार का अंतर नहीं मिला।

एक्सईएन आशीष गुप्ता ने उपभोक्ताओं से कहा कि वे अपनी आवश्यकता के अनुसार ही बिजली का उपयोग करें और समय से या अग्रिम रूप से बिल जमा करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

# सेवा से होता है अंत:करण शुद्ध: सुमेधानंद महाराज

**यूनिक समय, मथुरा।** वृंदावन स्थित किशोरी आश्रम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान सुमेधानंद महाराज ने कहा कि सेवा करने से मनुष्य का अंत:करण शुद्ध होता है और सत्संग सुनने से भगवान की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि भगवान का सुमिरन भक्त और भगवान के बीच की दूरी को कम करता है। जो व्यक्ति भगवान के चौबीस अवतारों का स्मरण करते हैं, उनकी भगवान चौबीसों घंटे रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि अब तक तेईस अवतार हो चुके हैं और कल्कि अवतार भविष्य में होना है।

किशोरी आश्रम में श्रीमद्भागवत कथा सुनाते सुमेधानंद महाराज।

सुमेधानंद महाराज ने कहा कि जब मन में सेवा का भाव आता है तो विकार स्वतः समाप्त हो जाते हैं और अच्छे विचार उत्पन्न होते हैं। दीन–दुखियों की सेवा करने से भगवान प्रसन्न होते हैं। व्यस्त जीवन में भी जो लोग पूजा का समय नहीं निकाल पाते, वे भगवान के अवतारों का स्मरण कर सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि चंदन के वृक्ष से विषैले सर्प लिपटे रहने पर भी चंदन विषैला नहीं होता, उसी प्रकार हमें बुरी संगति के प्रभाव से बचना चाहिए। अभिमान से भगवान दूर हो जाते हैं, जबकि सरल स्वभाव उन्हें समीप लाता है। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और राधे–राधे व बांके बिहारी के भजनों पर झूमते नजर आए।

# आए सहालग, गुलजार होने लगा सराफा बाजार

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, मथुरा।** आज खरमास की विदाई हो गई और कल से सहालग शुरू होने के साथ ही सराफा बाजार में चहल–पहल बढ़ जाएगी। सोने–चांदी के उंची कीमतों के बाद भी ग्राहकों का उत्साह कम दिखाई नहीं दे रहा है। हालांकि, महंगाई के चलते इस बार लोग हल्के वजन के आभूषणों को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं।

सराफा कारोबारियों के मुताबिक, सहालग को देखते हुए बाजार में पहले से ही तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 14, 16, 18, 22 और 23 कैरेट के आभूषण उपलब्ध हैं। इनमें 16 कैरेट को छोड़कर बाकी सभी पर हॉलमार्क होता है। बावजूद इसके, ग्राहकों में 16 कैरेट के आभूषणों की मांग अधिक बनी हुई है, क्योंकि ये अपेक्षाकृत सस्ते पड़ते है। शादियों के चलते सोने के मंगलसूत्र, अंगूठी, चूड़ी, टीका, नथनी, लौंग और हार की खरीदारी बढ़ी है। वहीं, चांदी के पायल, बिछिया, हाथफूल और कमरपेटी भी ग्राहकों की पसंद में शामिल हैं। दुकानों पर रोजाना ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है और

## बाजार में कम वजन के आभूषणों की बढ़ी मांग

कई लोग आर्डर पर भी आभूषण तैयार करा रहे हैं। कारोबारियों का कहना है कि इस बार ग्राहक अपने बजट के अनुसार ही खरीदारी कर रहे हैं। खासकर मुंह दिखाई के लिए। व्यवहार लौटाने के लिए अब हल्के जेवर ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। कई ग्राहकों का कहना था कि वह झुमके खरीदने आए थे। पहले जब दिए थे, तब वजन ज्यादा था क्योंकि रेट कम थे। अब दाम बढ़ने से उसी हिसाब से हल्के जेवर ले रहे हैं। ग्राहकों की मानें तो पहले पायल दो हजार में मिल जाती थी, अब उसी वजन की पायल 10 हजार से ऊपर की हो गई है। इसलिए अब हल्की पायल ही खरीदनी पड़ रही है।

# सुरीर क्षेत्र में मोक्ष अत्येष्टि स्थल तक वाहन से जाएंगे पार्थिव शरीर

सुरीर स्थित राइजिंग पब्लिक स्कूल सुरीर में मोक्ष वाहन का फीता काटकर जनता को भेंट करते श्री अक्रूरधाम गोपीनाथ फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं स्कूल के चेयरमैन राजकुमार वार्ष्णेय भट्ठे वाले, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय, भानु प्रकाश वार्ष्णेय एवं इंजीनियर लवेश वार्ष्णेय।

**यूनिक समय, मथुरा।** अक्रूरधाम गोपीनाथ फाउंडेशन के अध्यक्ष राजकुमार वार्ष्णेय भट्ठे वाले, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय, भानु प्रकाश वार्ष्णेय एवं इंजीनियर लवेश वार्ष्णेय ने कस्बा की जनता को बड़ी सौगात दी। कहा कि क्षेत्र की जनता को लोगों के पार्थिव शरीर को अंत्येष्टि स्थल तक ले जाने में काफी दिक्कत होती थी। अब वह लोग पार्थिव शरीर को मोक्ष वाहन से बड़ी सहूलियत के साथ ले जा सकेंगे। क्षेत्र की जनता ने मोक्ष वाहन चालू करने के लिए सभी का आभार जताया है।

### आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि ने सुनाई राम वनवास की कथा

# जिस राज में प्रजा दुखी हो वह राजा नरक का अधिकारी होता है

**यूनिक समय, फरह।** जिस राजा के राज में प्रजा दुखी रहती हो, ऐसा राजा नरक का अधिकारी होता है। भगवान राम के वनवास की जानकारी मिलने के बाद विश्वामित्र उदास हैं, जबकि वशिष्ठ जी श्री राम को महादेव की पूजा–अर्चना अर्चना की विधि समझाने को उतावले हैं। विधि के विधान को कोई नहीं टाल सकता है, जो विधाता ने रचा है वह होकर रहता है।

यह प्रसंग गो ग्राम परखम में आयोजित श्री राम कथा के दौरान आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. कैलाश आनंद गिरि ने श्रद्धालुओं को कथा श्रवण कराते हुए कहे। उन्होंने कहा कि व्यसन से मुक्ति पाने का साधन ही राम नाम है। राम नाम के साबुन से काम, क्रोध, लोभ, मोह जैसे व्यसन दूर होते हैं।

आचार्य ने कहा कि अयोध्या में सब मान चुके है, सब जानने लगे हैं कि अब राम वनवासी होने वाले हैं, अयोध्यावासी आंसू बहा रहे हैं। प्रेम के आंसू शीतल होते हैं, जबकि विरह के आंसू गर्म होते

गो ग्राम परखम में आयोजित श्री राम कथा श्रवण करते क्षेत्र प्रचार प्रमुख पदम, डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार आदि।

हैं।

अयोध्या की प्रजा श्री राम के वनवास से दुखी है। विश्वामित्र भी परेशान हैं, लेकिन विधि के विधान को कौन टाल सकता है, यह मानकर सब शांत हैं।

आचार्य ने कहा कि ओम प्रणव है, ओम में ब्रह्मा, विष्णु और महेश समाहित हैं, परमात्मा को नाद ब्रह्म प्रिय है। कलयुग में तन, मन और वाणी से जो कीर्तन होता है उससे रोम–रोम पुलकित होता है। अब कलयुग में नाम और अनन्दान दो चीज ही प्रसिद्ध हैं। आचार्य ने श्री राम कथा को सभी शंकाओं को दूर करने में समर्थ करने वाली कथा बताते हुए कहा कि राम कथा को सुनना और सुनाना दोनों के लिए ही लाभकारी है। उन्होंने कहा कि गोशाला, गंगा–यमुना और देवालय में होने वाली कथा को स्वयं हनुमान जी श्रवण करते हैं। व्यास पीठ और आचार्य का पूजन यजमान सुरेश कौशिक, साधना कौशिक, सविता अवाना, सतीश अवाना, विधायक तेजपाल नागर, अनिल भाटी, दीपक शर्मा, राहुल शर्मा, विपिन, रोहित, दिनेश गुप्ता, भगत सिंह, प्रमोद कसाना, आशीष चौधरी, ओमवीर भाटी, महेश गोयल, यशपाल चौधरी, डॉ. रामप्रताप सिंह, पीएल शर्मा, सुनील शर्मा आदि ने किया। कथा में केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, क्षेत्र प्रचार प्रमुख पदम, विधायक पूरन प्रकाश, डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, मुकेश खंडेलवाल, जितेंद्र प्रताप सिंह, आनंद दुबे, शैलेश अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, पंकज, अशोक अग्रवाल, अनिल कौशिक, जिला जज आगरा अनिल कुमार सिंह आदि श्रद्धालु, कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। कथा के दौरान श्री राम स्तुति भजन की प्रस्तुति से श्रोता झूमते रहे। वेद मंत्रों के साथ व्यास गद्दी का पूजन और संचालन पवन दत्त मिश्र और प्रमोद पांडे ने किया।

# मथुरा में विकास परियोजनाओं को मिली बड़ी सौगात

**यूनिक समय, मथुरा।** जनपद मथुरा के समग्र विकास को गति देने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए करोड़ों रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इन योजनाओं से पर्यटन, धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण और आधारभूत सुविधाओं में बड़ा सुधार होने की उम्मीद है।

वित्तीय वर्ष 2025–26 में तहसील छाता के ग्राम स्यारहा स्थित पौराणिक चीर घाट के विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए 689.49 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। वहीं गोवर्धन में आधुनिक पर्यटन सुविधा केंद्र (डॉरमेट्री, पार्किंग, कैफेटेरिया आदि) के निर्माण हेतु 1701.14 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं।

इसके अलावा जवाहरबाग में लाइट एंड साउंड शो के लिए 464.02 लाख रुपये, वृंदावन में यमुना किनारे अक्रूर घाट निर्माण के लिए 635.51 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। सखीगिरी पर्वत क्षेत्र में ईको रेस्टोरेशन के लिए 123.31 लाख रुपये तथा अकबरपुर जैत में टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर निर्माण हेतु 1677.39 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। इन सभी परियोजनाओं से मथुरा–वृंदावन क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे।